■ कार्तिक शुक्ल - 13 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 120 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 25-11-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ‘राम मंदिर’ पूर्वजों के बलिदान और भावनाओं की सिद्धि : योगी

6 केसीआर क्या बचा पाएंगे अपनी सत्ता?

7 अनुपम खेर को ‘पड़ोसन’ की याद आई

फर्स्ट टेक

इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम शुरू

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। इजराइल और हमास के बीच समझौते के तहत चार दिवसीय युद्ध विराम शुक्रवार को सुबह प्रभावी हो गया और इसी के साथ इजराइल में कैद फलस्तीनियों और गाजा में उग्रवादियों द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों की अदला-बदली का मंच तैयार हो गया है। युद्ध विराम के कुछ घंटे बाद संघर्ष की कोई खबर नहीं है। इस कूटनीतिक सफलता से गाजा में 23 लाख लोगों के लिए कुछ राहत दिखाई दे रही है, जिन्होंने हफ्तों तक इजराइली बमबारी को सहा है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी प्रपंच

हर चुनाव में हर दल को,
रहती बस मुद्दों की तलाश।
कर जाति धर्म गठजोड़ तोड़,
करते रहते इसके प्रयास।
इक दूजे को नीचा करने,
पुश्तों तक की करते तपास।
जिसको इक कहता है विनाश,
दूजा उसको कहता विकास।।

राष्ट्रपति मुर्मू ने लोकसेवकों से कहा

आम लोगों की समस्याओं का तुरंत समाधान करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि आम लोगों के लिए लाभकारी नए उपाय अपनाने के अलावा उनकी शिकायतों पर तुरंत प्रतिक्रिया देना लोकसेवकों का कर्तव्य है। मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात करने आए प्रशिक्षु अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं पर जनता की प्रतिक्रिया अब एक कुशल और जवाबदेह प्रशासन के लिए बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब लोग सोशल मीडिया पर अपनी शिकायतें तुरंत पोस्ट कर सकते हैं, लोगों तक सेवा प्रदायगी के लिए अद्यतन तरीकों और उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई है। मुर्मू ने कहा, ऊर्जावान और जागरूक लोकसेवकों के रूप में, आम लोगों की शिकायतों और समस्याओं पर तुरंत प्रतिक्रिया देना आपका कर्तव्य है।

उत्तराखंड सुरंग हादसा: तकनीकी अड़चन दूर, शीघ्र शुरू होगी ड्रिलिंग

आज बाहर आ सकते हैं सुरंग में फंसे 41 श्रमिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। उत्तराखंड में निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में 12 दिन से फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए जारी बचाव अभियान के दौरान आई तकनीकी अड़चन के कारण कई घंटों तक रुके रहने के बाद शुक्रवार को ड्रिलिंग फिर शुरू की जाएगी।

अधिकारियों ने सिलक्यारा में मीडिया को बताया कि उस तकनीकी समस्या को दूर कर लिया गया है जिसके कारण बुधवार को ड्रिलिंग रोकनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि अब जल्द ही ड्रिलिंग फिर शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि मलबे में डाले जा चुके स्टील पाइपों में दूसरा पाइप जोड़ने के बाद बोरिंग शुरू कर दी जाएगी। ‘ग्राउंड पेनीट्रेटिंग रडार’ से मिले आंकड़ों से संकेत मिला है कि सुरंग में भेदे जा चुके अवरुद्ध हिस्से के आगे पांच मीटर तक धातु की मौजूदगी जैसी कोई अड़चन नहीं है। उन्होंने कहा कि ऑगर मशीन में कोई तकनीकी समस्या नहीं है, लेकिन बचावकर्मियों को उस मंच को मजबूत करना पड़ा है जिसपर इसे स्थापित किया गया है।

सुरंग से ’निकलने का रास्ता’ (एस्केप पैसेज) बनाने के लिए मशीन मलबे को 48 मीटर तक ड्रिल कर चुकी थी। राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के प्रबंध निदेशक महमूद अहमद और उत्तराखंड सरकार के नोडल अधिकारी नीरज खैरवाल ने बताया कि ‘एस्केप पैसेज’ बनाने के लिए 46.8 मीटर तक स्टील पाइप डाले जा चुके हैं । उन्होंने बताया कि मलबे के दूसरी ओर फंसे श्रमिकों तक पहुंचने के लिए छह-छह मीटर लंबे दो पाइप और डाले जाएंगे।

उच्चतम न्यायालय ने कहा

बिना कार्रवाई के अनिश्चितकाल के लिए विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते राज्यपाल

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि राज्यपाल बिना कार्रवाई के अनिश्चितकाल के लिए विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते।

न्यायालय ने साथ ही कहा कि राज्य के गैर निर्वाचित प्रमुख के तौर पर राज्यपाल संवैधानिक शक्तियों से संपन्न होते हैं लेकिन वह उनका इस्तेमाल राज्य विधानमंडलों द्वारा कानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया को विफल करने के लिए नहीं कर सकते।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई संवैधानिक लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों के विपरीत होगी जो शासन के संसदीय स्वरूप पर आधारित है।

पीठ ने पंजाब सरकार की एक याचिका पर 10 नवंबर के अपने आदेश में कहा, ‘‘राज्य के गैर निर्वाचित प्रमुख के तौर पर राज्यपाल संवैधानिक शक्तियों से संपन्न होते हैं। लेकिन इन शक्तियों का इस्तेमाल राज्य विधानमंडलों द्वारा कानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया को विफल करने के लिए नहीं किया जा सकता।’’

भारत-नेपाल संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

नई दिल्ली/भाषा। भारत और नेपाल के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास ’सूर्य किरण’ का 17वां संस्करण शुक्रवार को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में शुरू हुआ। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों देशों में बारी-बारी से आयोजित किया जाने वाला इस बार का वार्षिक अभ्यास सात दिसंबर को समाप्त होगा। दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास का उद्देश्य जंगल युद्ध, पर्वतीय इलाकों में आतंकवाद रोधी अभियानों और शांति स्थापना अभियानों पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत मानवीय सहायता एवं आपदा राहत में आपसी संपर्क को बढ़ाना है।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है और मजबूती से खड़ा है भारत : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में पांच सैन्य कर्मियों की शहादत पर दुख जताते हुए शुक्रवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत एकजुट है और मजबूती से खड़ा है। राजौरी जिले के बाजीमल इलाके में बुधवार और बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों के साथ 36 घंटे तक चली मुठभेड़ में अफगानिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक शीर्ष कमांडर सहित दो आतंकवादी मारे गये। इस दौरान दो कैप्टन सहित पांच सैनिक शहीद हो गये।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच ’एक्स’ पर पोस्ट किया, जम्मू-कश्मीर के राजौरी इलाके में आतंकवादियों से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले दो कैप्टन और सेना के तीन जवानों सहित पांच सैन्य कर्मियों की शहादत से बेहद दुखी हूं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.08 अरब डॉलर बढ़कर 595.40 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 5.08 अरब डॉलर बढ़कर 595.40 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 590.321 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.39 अरब डॉलर बढ़कर 526.39 अरब डॉलर हो गया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबाव के बीच आरबीआई ने रुपये की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 52.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.04 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.13 अरब डॉलर हो गया।

केसीआर ने हजारों करोड़ रुपये का घोटाला किया: अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। विधानसभा चुनाव से पहले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष एवं तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर हमला तेज करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आई तो घोटालों की जांच की जाएगी और दोषी लोगों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

शाह ने आरमुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने हजारों करोड़ रुपये का घोटाला किया है और उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि इस बारे में उनके खिलाफ कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा, केसीआर ने हजारों करोड़ रुपये के घोटाले किए हैं। केसीआर को लगता है कि कुछ नहीं होगा। केसीआर, गहरी नींद में न सोएं। आपका समय खत्म हो गया है। जो भी घोटाले हुए हैं, भाजपा सरकार उनकी जांच कराएगी और भ्रष्टाचार करने वालों को सलाखों के पीछे भेजेगी। शाह ने कहा कि केसीआर सरकार ने भ्रष्टाचार में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कुछ कथित घोटालों के रूप में 'मियापुर भूमि घोटाला', 'कविता जी का शराब घोटाला' (मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी और विधान परिषद सदस्य कविता), 'आउटर रिंग रोड घोटाले' का जिक्र किया। उन्होंने दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी राज्य में यदि सत्ता में आई तो मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत कोटा समाप्त कर देगी और ओबीसी तथा अनुसूचित जनजाति को लाभ प्रदान करेगी। साथ ही अयोध्या स्थित राम मंदिर के मुफ्त दर्शन की व्यवस्था करेगी।

तेलंगाना की बीआरएस सरकार का अंत होने वाला है: प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को कहा कि तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के शासन का अंत होने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के युवाओं, महिलाओं और किसानों के साथ घोर अन्याय हो रहा है।

वाद्रा ने यहां से लगभग 120 किलोमीटर दूर पालकुर्थी में एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तेलंगाना में महिलाओं को हिंसक अपराधों का सामना करना पड़ता है और राज्य सरकार ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास तेलंगाना के लिए एक योजना है और राज्य के युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए उन्हें मजबूत बनाने का एक दृष्टिकोण है। उन्होंने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने का भी आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''युवाओं, महिलाओं और किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। पिछले 10 वर्ष से शासन कर रही केसीआर (मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव) सरकार के शासन का अंत करीब है।'' उन्होंने मुख्यमंत्री राव की सरकार पर युवाओं को रोजगार मुहैया कराने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि बेरोजगारी के मामले में तेलंगाना देश में शीर्ष पर है। उन्होंने कहा, ''उन्हें रोजगार नहीं मिलता। परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हो रहे हैं। भ्रष्टाचार है। तो ऐसे में युवाओं को क्या उम्मीद होगी?''

रिजर्व बैंक ने चेतावनी सूची में 19 अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार मंचों को शामिल किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार मंचों की चेतावनी सूची में 19 संस्थाओं को जोड़ा है। इनमें एफएक्स स्मार्टबुल, जस्ट मार्केट्स और गोडो एफएक्स शामिल हैं। इसके साथ ही चेतावनी सूची में शामिल संस्थाओं की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। चेतावनी सूची में उन संस्थाओं को शामिल किया जाता है, जो विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के तहत विदेशी मुद्रा में सौदा करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। साथ ही वे इलेक्ट्रॉनिक कारोबार मंच (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2018 के तहत विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक कारोबार मंच (ईटीपी) संचालित करने के लिए भी अधिकृत नहीं हैं। इस सूची में जोड़ी गईं अन्य इकाइयां एडमिरल मार्केट, ब्लैकबुल, ईजी मार्केट्स, एन्क्लेव एफएक्स, फिनोविज फिनटेक, एफएक्स स्मार्टबुल, एफएक्स ट्रे मार्केट, फॉरेक्स4यू, ग्रोइंग कैपिटल सर्विसेज और एचएफ मार्केट्स हैं। इसके अलावा, एचवाईसीएम कैपिटल मार्केट्स, जेजीसीएफएक्स, पीयू प्राइम, रियल गोल्ड कैपिटल, टीएनएफएक्स, ये मार्केट्स और गेट ट्रेड इस सूची में शामिल हैं।

चुनावी परीक्षा काफी आसान लग रही है, बीआरएस लगाएगी सीटों का शतक : कविता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

निजामाबाद/भाषा। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता ने चुनावी जीत की हैट्रिक लगाने का विश्वास जताते हुए शुक्रवार को कहा कि पार्टी सीटों का शतक लगाएगी, क्योंकि एक दशक के कठिन परिश्रम के दम पर इस बार चुनाव परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिए काफी आसान लग रही है।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर की बेटी कविता ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि कुछ इलाकों में सत्ता विरोधी लहर हो सकती है, लेकिन आमतौर पर जनता के बीच उनकी पार्टी बीआरएस के प्रति आक्रोश नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बीआरएस के लिये दूर की चुनौती है जबकि भाजपा राज्य में कहीं है ही नहीं। उन्होंने 30 नवंबर को होने वाले चुनाव में खंडित जनादेश मिलने की संभावनाओं को खारिज कर दिया। वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में बीआरएस को 119 में से 88 सीट पर जीत मिली थी जबकि कांग्रेस को 19, एआईएमआईएम को छह और भाजपा को एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। बाद में कांग्रेस के 12 विधायकों ने बीआरएस का दामन थाम लिया था। कविता ने कहा, हम (इस बार) शतक लगाएंगे... बीआरएस हमेशा आगे रही है। हम हमेशा जनता के बीच रहे हैं। हमने कठिन परिश्रम किया है, लिहाजा (चुनाव) परीक्षा आसानी से उत्तीर्ण करने लायक दिख रही है। बीआरएस 2014 से तेलंगाना की सत्ता पर आसीन है और तब से लगातार दो चुनाव जीत चुकी है।

वित्तीय साक्षरता में जन-धन योजना बनी मजबूत स्तंभ: सुरेश प्रभु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने शुक्रवार को देश के वित्तीय साक्षरता को सुनिश्चित करने में जन-धन योजना को महत्वपूर्ण और मजबूत स्तंभ बताया। प्रभु ने 'एवोक इंडिया फाउंडेशन' की तरफ से वित्तीय साक्षरता पर आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि देश के नागरिकों की व्यावहारिक वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना काफी अहम है। उन्होंने कहा कि इसमें जन-धन योजना जैसे कदम महत्वूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा, जन-धन योजना देश की वित्तीय साक्षरता में भारत की बदलावकारी यात्रा के लिए बुनियादी घटक है। इनका आगे चलकर सामाजिक बदलावों पर भी व्यापक असर पड़ता है।

इस सम्मेलन में शिक्षा, उद्योग और सरकारी क्षेत्र के तमाम विशेषज्ञों ने भारत में वित्तीय समावेश से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। इस मौके पर एवोक इंडिया के संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा कि भारत में केवल 24 प्रतिशत लोग ही वित्तीय रूप से साक्षर हैं जबकि बाकी आबादी में बुनियादी वित्तीय अवधारणाओं की भी समझ नहीं है। ऐसे में वित्तीय साक्षरता को आम आदमी के लिए प्राथमिक बनाने की जरूरत है।

तेलंगाना में बेरोजगारी दर सबसे अधिक : जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर तेलंगाना में है।

खम्मम में पत्रकारों से बात करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि तेलंगाना बनाने का एक प्रमुख कारण युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा, ''लेकिन, हम 10 साल बाद (तेलंगाना के गठन के) क्या देखते हैं? देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर तेलंगाना में है। युवा बेरोजगार हैं। पूरे भारत में ये (बेरोजगारी दर) 10 फीसदी है, जबकि तेलंगाना में 15 फीसदी है।'' उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में युवाओं द्वारा आत्महत्या करने के मामले भी अधिक हैं। रमेश ने राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने का आरोप लगाते हुए इसे लेकर बीआरएस सरकार की आलोचना की। कांग्रेस नेता ने कहा कि तेलंगाना के गठन का एक अन्य प्रमुख कारण यह भी था कि विभिन्न क्षेत्रों में सभी निवेश और सरकारी संस्थान हैदराबाद में स्थित थे जबकि ऐसा सोचा गया था कि तेलंगाना के गठन के साथ खम्मम, करीमनगर जैसे कस्बों और जिलों में निवेश आकर्षित होगा।

उन्होंने दावा किया कि स्थिति वही की वही है, जो 10 साल पहले थी। रमेश ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के बेटे और मंत्री के.टी. रामाराव का कहना है कि वह 'ब्रांड हैदराबाद' बनाएंगे।

जंगली हाथियों के हमले में 12 मवेशियों की मौत

कोरबा/भाषा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जंगली हाथियों के हमले में 12 मवेशियों की मौत हो गई है। वन विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कटघोरा वन मंडल के अंतर्गत बगाही पारा गांव में जंगली हाथियों के हमले में 12 मवेशियों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि विभाग को जानकारी मिली है कि रोज की तरह ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार रात में अपने मवेशियों को गांव के बाहर एक मैदान में खूंटे से बांध दिया था। देर रात ग्रामीणों को हाथियों के चिंघाड़ने और मवेशियों की आवाज सुनाई दी। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों को हाथियों के हमले की आशंका थी लेकिन वह वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके। रात में ग्रामीण अपने घरों में ही रहे। उन्होंने बताया कि सुबह जब ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे तब उन्होंने मवेशियों का शव देखा।

आईबीसी से कर्ज वसूली घटी, समय भी अधिक लग रहा: क्रिसिल

मुंबई/भाषा। दिवाला संहिता से भारत में कर्ज संस्कृति को बेहतर बनाने में मदद मिली है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऋण वसूली घटी है और कर्ज समाधान का समय भी बढ़ता जा रहा है। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी क्रिसिल रेटिंग ने शुक्रवार को यह बात कही। ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) लागू होने के सात वर्षों की अवधि के विश्लेषण पर आधारित एक टिप्पणी में क्रिसिल ने कहा कि बकाया कर्ज की वसूली दर सितंबर, 2023 में गिरकर 32 प्रतिशत रह गई है जबकि मार्च, 2019 में यह 43 प्रतिशत थी। इसके साथ ही कर्ज समाधान प्रक्रिया के पूरा होने में लगने वाला औसत समय भी 324 दिन से बढ़कर 653 दिन हो गया है। हालांकि कानून में इस कार्य के लिए निर्धारित अवधि 330 दिनों की है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि आईबीसी लागू होने के बाद पिछले सात वर्षों में 808 मामलों में फंसे 3.16 लाख करोड़ रुपये के कर्ज के निपटान में मदद मिली है। क्रिसिल के वरिष्ठ निदेशक मोहित मखीजा ने कहा कि आईबीसी भारत के कॉरपोरेट ऋण इतिहास का सबसे शक्तिशाली कानून है जिसने कर्जदारों के व्यवहार को भी बदलने का काम किया है। मखीजा ने कहा, कंपनियों को गंवा देने के डर से आईबीसी के समक्ष मामला लाए जाने के पहले ही नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज निपटाया जा चुका है। यह इस कानून के सहारे निपटाए गए तनावग्रस्त ऋण का लगभग तीन गुना है।

कांग्रेस नेता लोगों से कह रहे हैं वोट दो, बाद में बीआरएस में शामिल हो जाएंगे: चंद्रशेखर राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मनचेरियल (तेलंगाना)/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख एवं मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के उम्मीदवार निर्वाचित होने पर बीआरएस में शामिल होने की बात कहकर लोगों से वोट मांग रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यहां कोयला खनन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कह रहे हैं कि राज्य की 'सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड' (एससीसीएल) के बजाए ऑस्ट्रेलिया में अडाणी समूह की कोयला खदानों से कोयला आयात किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व के कांग्रेस शासकों की नाकामी के कारण राज्य सरकार को एससीसीएल में अपनी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचनी पड़ी।

राव ने आरोप लगाया, '' कांग्रेस के लोगों को यह यकीन हो गया है कि उनकी हार निश्चित है इसलिए उन्होंने नया प्रचार शुरू किया है। वे लोगों से उन्हें निर्वाचित करने को कह रहे हैं ताकि जीतने के बाद वे बीआरएस में शामिल हो सकें।'' राव ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोलते हुए प्रश्न किया कि भगवा पार्टी को वोट क्यों देना चाहिए जिसने तेलंगाना को एक भी मेडिकल कॉलेज या नवोदय स्कूल नहीं दिया है। राव ने मजाकिया लहजे में कहा, '' उनको वोट देना वोट को नाली में बहाने जैसा है।'' उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने 1956 में तेलंगाना का आंध्र प्रदेश में विलय किया जिसके परिणामस्वरूप 50 वर्षों तक पीड़ा झेलनी पड़ी। उन्होंने कांग्रेस पर आश्वासन के बाद भी तेलंगाना के गठन में देरी का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने सिंगरेनी खदानों के बारे में कहा, ''हमने सिंगरेनी कर्मचारियों को कई सुविधाएं प्रदान कीं। तेलंगाना विधानसभा ने भी एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से सिंगरेनी कर्मचारियों का आयकर माफ करने का अनुरोध किया।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन (प्रधानमंत्री) मोदी ये नहीं कर रहे हैं बल्कि कह रहे हैं कि आप सिंगरेनी को बंद कीजिए और हम ऑस्ट्रेलिया से अडानी (खदानों) से कोयला आयात करेंगे।''

आंध्र प्रदेश : नाबालिग छात्रा से 'शादी' करने के आरोप में स्कूल शिक्षक गिरफ्तार

तदेरु (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश में शुक्रवार को 46 वर्षीय एक स्कूल शिक्षक को अपनी 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा से कथित तौर पर शादी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी शिक्षक पहले से ही दो लड़कियों का पिता है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को गोदावरी जिले के भीमावरम के पास यंदागानी जिला परिषद हाई-स्कूल के हिंदी शिक्षक के. सोमराजू को लड़की को प्यार का झांसा देकर फंसाने तथा उसके गले में मंगलसूत्र बांधकर उससे 'शादी' करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

पश्चिम गोदावरी जिला दिशा (महिला सुरक्षा विंग) के पुलिस उपाधीक्षक एन. मुरली कृष्णा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आरोपी सोमराजू ने नाबालिग लड़की से चार महीने तक प्रेमालाप किया और उसे अपना स्मार्टफोन भी दिया। कुछ दिनों पहले वह उसे उसके घर से अपने घर ले आया और उससे शादी कर ली। अधिकारी ने बताया कि कथित तौर पर धोखे से 19 नवंबर को लड़की के साथ शादी करने के बाद सोमराजू ने उसे जबरन कुछ दिनों तक अपने साथ रखा और उसके साथ पति पत्नी की तरह संबंध भी बनाए।

अडाणी समूह के शेयरों में तेजी, बाजार पूंजीकरण 15,000 करोड़ रुपये बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के बाद अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में तेजी आई और उसका बाजार पूंजीकरण लगभग 15,000 करोड़ रुपये बढ़ गया।

उच्चतम न्यायालय ने समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों की जांच के अनुरोध वाली याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई की और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में नौ के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। इसके साथ ही शुक्रवार को समूह का बाजार पूंजीकरण 14,786 करोड़ रुपये बढ़ गया। अडाणी समूह की 10 कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को कारोबार बंद होने पर लगभग 10.26 लाख करोड़ रुपये रहा। एक दिन पहले यह आंकड़ा 10.11 लाख करोड़ रुपये था।

समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने 2.58 प्रतिशत बढ़ी, जिससे उसका बाजार पूंजीकरण 2.53 लाख करोड़ रुपये हो गया।

सरकार को कच्चे माल, पूंजीगत वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करने की जरूरत है : जीटीआरआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कच्चे माल और पूंजीगत वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करने से सरकार को कई मौजूदा निर्यात योजनाओं की आवश्यकता में कटौती करने में मदद मिल सकती है। शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही। जीटीआरआई के अनुसार, यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा क्योंकि भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानूनों के ढांचे के भीतर इन प्रोत्साहनों के प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका जैसे भारत के प्रमुख व्यापार साझेदारों सहित कई देश भारतीय योजनाओं को सब्सिडी के रूप में घोषित करते हैं और प्रतिपूरक शुल्क लगाकर निर्यातकों को ''दंडित'' करते हैं।

देश के कुल निर्यात में अमेरिका और यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से अधिक है।

वर्तमान में भारत निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए कई योजनाएं लागू कर रहा है। इनमें एडवांस ऑथराइजेशन स्कीम (एएएस), एक्सपोर्ट प्रमोशन कैपिटल गुड्स स्कीम (ईपीसीजीएस), ड्यूटी ड्रॉबैक स्कीम (डीडीएस), निर्यातित उत्पादों पर शुल्क व करों में छूट (आरओडीटीईपी), विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड), एक्सपोर्ट ओरिएंटेड यूनिट(ईओयू), प्री-शिपमेंट एंड पोस्ट-शिपमेंट क्रेडिट बैंक और इंटरेस्ट इक्वलाइजेशन स्कीम (आईईएस) शामिल हैं।

इन योजनाओं का मकसद वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।

जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यूरोपीय संघ, अमेरिका और कई अन्य ने अक्सर इन योजनाओं को सब्सिडी के रूप में देखा है और भारत द्वारा अपने निर्यातकों को प्रदान किए जाने वाले मौद्रिक लाभों को बेअसर करते हुए प्रतिपूरक शुल्क लगाए है।

इन देशों का पहला तर्क यह है कि ये योजनाएं विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सब्सिडी और प्रतिपूरक उपायों (एएससीएम) पर समझौते का उल्लंघन करती हैं। उन्होंने कहा, ''इन चुनौतियों के चलते भारत सरकार को एक बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। इसमें निर्यात योजनाओं की संरचना में सुधार, डब्ल्यूटीओ में सक्रिय रूप से विवाद उठाना, योजनाओं की समयपूर्व निकासी का विरोध करना और सीमा शुल्क संरचना को तर्कसंगत बनाना शामिल हैं।''

वर्तमान में औद्योगिक उत्पादों के लिए भारत का औसत शुल्क या सीमा शुल्क यूरोपीय संघ के 4.1 प्रतिशत की तुलना में 14.7 प्रतिशत है।

भारत की कई निर्यात योजनाएं, जैसे एसईजेड, ईओयू, आरओडीटीईपी और ड्राबैक ऐसे उच्च आयात शुल्क के कारण मौजूद हैं। निर्यातक इन योजनाओं का उपयोग या तो भुगतान किए गए शुल्क का 'रिफंड' पाने या आयात शुल्क का भुगतान करने से छूट पाने के लिए करते हैं।

केरल के मुख्यमंत्री ने 'नव केरल सदास' के बहिष्कार के लिए कांग्रेस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य सरकार के 'नव केरल सदास' कार्यक्रम का बहिष्कार करने के लिए शुक्रवार को विपक्षी दल कांग्रेस पर निशाना साधा। विजयन ने कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व अपनी ही पार्टी के सदस्यों को इस बारे में समझाने में विफल रहा है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में विपक्ष के नेता वी. डी. सतीसन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने सरकार के कार्यक्रम के लिए एक लाख रुपये आवंटित करने पर परावूर नगरपालिका के अध्यक्ष को धमकी दी थी। विजयन ने कहा कि नगरपालिका के खिलाफ विपक्ष के नेता की कार्रवाई स्थानीय निकायों पर नियंत्रण करने का प्रयास है और इससे उनके स्वतंत्र कामकाज में बाधा उत्पन्न हुई। उन्होंने 'नव केरल सदास' कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि यह जनता तक पहुंच बनाने संबंधी सरकारी कार्यक्रम के वास्ते धन आवंटित करने के लिए लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नगरपालिका परिषद का सर्वसम्मत निर्णय था। विजयन ने दावा किया कि 'नव केरल सदास' को कांग्रेस के आम कार्यकर्ताओं का समर्थन मिल रहा है और कांग्रेस नेतृत्व की ओर से इस कार्यक्रम के बहिष्कार के फैसले को उनके स्थानीय प्रतिनिधियों ने भी स्वीकार नहीं किया है।

शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई जांच की मंजूरी अवैध थी, इसलिए हमने यह वापस ले ली : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई जांच की अनुमति वापस लेने के अपने मंत्रिमंडल के निर्णय का शुक्रवार को बचाव किया और कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने जो मंजूरी दी थी, वह अवैध थी। राज्य के मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को कहा था कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में शिवकुमार के खिलाफ जांच के लिए सीबीआई को मंजूरी देने का पूर्ववर्ती भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार का फैसला कानून के अनुरूप नहीं था, लिहाजा उसने मंजूरी वापस लेने का निर्णय लिया है। भाजपा सरकार ने 25 सितंबर 2019 को मंजूरी दी थी। इसके बाद सीबीआई ने तीन अक्टूबर 2020 को शिवकुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

सीबीआई का दावा है कि शिवकुमार ने सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार (2013-2018) में ऊर्जा मंत्री रहते हुए एक अप्रैल 2013 से 30 अप्रैल 2018 तक अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से 74.93 करोड़ रुपये की अधिक संपत्ति अर्जित की थी।

सिद्दरामैया ने यहां पत्रकारों से कहा, हमने कहा है कि मंजूरी अवैध थी। सरकारी पद पर आसीन किसी व्यक्ति के खिलाफ जांच के लिए सरकार की मंजूरी चाहिए होती है। यदि वह मंत्री है, तो राज्यपाल को मंजूरी देनी चाहिए, और यदि वह विधायक है, तो विधानसभा अध्यक्ष को मंजूरी देनी चाहिए। उस समय शिवकुमार विधायक थे, लिहाजा विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति लेनी थी, जो नहीं ली गई।

उन्होंने कहा कि महाधिवक्ता के अपनी राय देने से पहले ही तत्कालीन मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा के मौखिक निर्देश के आधार पर मुख्य सचिव ने मामले की जांच सीबीआई से कराने के लिये सहमति देते हुए आदेश जारी कर दिया गया था। उन्होंने कहा, हमने कहा है कि यह (मंजूरी) अवैध थी, क्योंकि यह कानून के अनुरूप नहीं थी। एक सवाल के जवाब में सिद्दरामैया ने कहा कि वह अदालत के फैसलों पर टिप्पणी नहीं करेंगे; सरकार को जो करना होगा वह करेगी।

उन्होंने कहा, मंजूरी अवैध रूप से (पिछली सरकार द्वारा) दी गई थी, यह सही नहीं है, हम मंजूरी वापस लेंगे, हमने यही कहा है... अदालत क्या फैसला करती है, हम उसमें बाधा नहीं डाल सकते, हम हस्तक्षेप नहीं कर सकते। अदालत को फैसला करने दें कि उसे क्या करना है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में मुकदमा चलाने के लिए पिछली सरकार द्वारा सीबीआई को दी गई मंजूरी के खिलाफ शिवकुमार द्वारा दायर अपील पर सुनवाई बुधवार को 29 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी थी।

शिवकुमार ने प्रतिक्रिया से किया इंकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने अपने खिलाफ आय से अधिक

संपत्ति के मामले में राज्य मंत्रिमंडल के फैसले पर शुक्रवार को सीधी टिप्पणी करने से इनकार किया। राज्य मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को कहा था कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में शिवकुमार के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई को मंजूरी देने का पूर्ववर्ती भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का फैसला कानून के अनुरूप नहीं था। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक कांग्रेस के प्रमुख शिवकुमार शामिल नहीं हुए। माना जा रहा है कि अब कांग्रेस सरकार इस मामले में सीबीआई को दी गई मंजूरी वापस लेने का आदेश जारी कर सकती है। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, मैंने अखबार में देखा। मैं कल मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल नहीं हो सका। जिसे भी इस बारे में बोलना होगा, वह बताएगा।

वह चुनाव प्रचार में शामिल होने के लिए दो दिन के लिए तेलंगाना जा रहे थे। उन्होंने कहा, ''अगर पार्टी मुझसे प्रचार की अवधि बढ़ाने के लिए कहेगी तो मुझे ऐसा करना होगा।''

भाजपा, जद (एस) ने कांग्रेस सरकार के निर्णय की आलोचना की, कहा- शिवकुमार को बचाना मकसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दलों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति मामले में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई जांच की मंजूरी वापस लेने के मंत्रिमंडल के निर्णय की शुक्रवार को आलोचना की और इस फैसले को अवैध करार दिया। उन्होंने सरकार पर शिवकुमार को बचाने के लिए कानून के विरुद्ध कदम उठाने और अनैतिक निर्णय लेने का आरोप लगाया।

उन्होंने सिद्दरामैया सरकार पर निशाना साधने के लिए विधानसभा के अंदर और बाहर इस मुद्दे को उठाने का संकेत दिया। राज्य के मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को कहा था कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में शिवकुमार के खिलाफ जांच के लिए सीबीआई को मंजूरी देने का पूर्ववर्ती भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार का फैसला कानून के अनुरूप नहीं था, लिहाजा उसने मंजूरी वापस लेने का निर्णय लिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता बी. एस. येडीयुरप्पा ने कहा, 'अंतत: अदालत जो फैसला करेगी, उसे हर किसी को मानना होगा... एक तरह से यह कानून के खिलाफ फैसला है... देखते हैं कि अदालत आगे क्या फैसला करती है।' यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार शिवकुमार को बचाने का प्रयास कर रही है, येडीयुरप्पा ने कहा, 'कानून अपना काम करेगा।'

येडीयुरप्पा के बेटे और भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि कैबिनेट का फैसला पूरी तरह से अवैध और संविधान विरोधी है। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कैबिनेट ने ऐसा निर्णय लिया है। भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है और इसके खिलाफ आंदोलन करने पर विचार कर रही है। विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार को बचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने शिवकुमार से पूछा, आप क्यों डर रहे हैं? क्या आपको कानून पर भरोसा नहीं है? आप कई वर्षों से कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं; आज आपका कानून से विश्वास क्यों उठ गया? आपने कैबिनेट के माध्यम से इतना गैरकानूनी निर्णय क्यों लिया? विजयेंद्र ने कहा, यदि शिवकुमार ईमानदार हैं, तो उपमुख्यमंत्री के रूप में उन्हें कैबिनेट के इस फैसले का विरोध करना चाहिए था।

ऐसा लगता है कि वह कहीं न कहीं स्वीकार कर रहे हैं कि उन्होंने गलत किया है और ऐसा लगता है कि उन्होंने कानूनी प्रक्रिया में विश्वास खो दिया है।' जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा, यह सरकार लुटेरों को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा, यह निर्णय कैबिनेट ने लिया, जिसकी अध्यक्षता एक मुख्यमंत्री ने की, जो एक वकील रहे हैं और छात्रों को कानून पढ़ा चुके हैं। सिद्दरामैया ने कहा, इस सरकार ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह कानून से ऊपर है, और यह लुटेरों की रक्षा के लिए है, न कि गरीबों और जरूरतमंदों के लिए।

बेंगलूरु में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे पुलिस : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को कहा कि अपने अधिकार क्षेत्र में कड़ी निगरानी और अपराधों पर रोक की दिशा में काम करते हुए पुलिस को हर हाल में महिलाओं की सुरक्षा करनी चाहिए।

बेंगलूरु सिटी पुलिस आयुक्त के कार्यालय में स्थापित किए गए 'सुरक्षित शहर कमान केंद्र' का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी सुविधाओं का लाभ लोगों तक पहुंचना चाहिए।

सिद्दरामैया ने स्वीकार किया कि बेंगलूरु में झपटमारी, महिलाओं के खिलाफ हिंसक अपराध और हत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि शहर में आपराधिक और अवैध गतिविधियों में कमी को सुनिश्चित करने के लिए इस कमान केंद्र का उचित उपयोग किया जाना चाहिए।

इस कमान केंद्र का निर्माण 'निर्भया कोष' से 668 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने पुलिस से ऐसे घरों और आवासीय इमारतों पर भी नजर रखने का आग्रह किया जहां अकेली महिलाएं रहती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शहर सभी के लिए सुरक्षित है। सिद्दरामैया ने पुलिस को शहर में यातायात की आवाजाही को आसान बनाने पर ध्यान देने और अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में सख्ती से कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

उन्होंने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, 'यह सुनिश्चित करें कि अपराध न हो। अपराध होने के बाद अपराधी को पकड़ना और उसे सजा मिले यह सुनिश्चित करना एक अलग बात है। लेकिन अपराध को घटित होने से रोकना होगा। बेंगलूरु एक सुरक्षित शहर होना चाहिए।'

शिवकुमार के खिलाफ जांच की सहमति वापस लेने का फैसला सिर्फ 'प्रक्रियागत त्रुटि' ठीक करने के लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई जांच के लिए दी गई सहमति वापस लेने के मंत्रिमंडल के कदम का बचाव करते हुए राज्य

के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने उनके विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की ओर से हुई 'प्रक्रियागत त्रुटि' को सिर्फ ठीक किया है।

परमेश्वर ने कहा कि कांग्रेस सरकार का फैसला शिवकुमार को बचाने के लिए राजनीति से प्रेरित नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) अपने अनुसार इसका मतलब निकालने के लिए स्वतंत्र हैं।

गृह मंत्री ने निर्णय के राजनीति से प्रेरित होने के आरापों का जवाब देते हुए कहा, बीएस येडीयुरप्पा ने (मुख्यमंत्री रहने के दौरान)मुख्य सचिव को मामले की जांच के लिए सीबीआई को मंजूरी देने का मौखिक निर्देश दिया था। क्या यह राजनीतिक से प्रेरित नहीं था? हमने जो कुछ भी किया है वह कानून के दायरे में है। (पूर्ववर्ती) भाजपा सरकार के दौरान तत्कालीन महाधिवक्ता ने खुद कहा था और हमारे महाधिवक्ता ने भी यही बात कही है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि मंत्रिमंडल ने कानून के तहत और इसकी सीमाओं के अंदर फैसला किया है। उन्होंने कहा, इसलिए, ऐसा नहीं है कि हमने जो किया है वह राजनीति से प्रेरित है और उन्होंने जो किया वह (राजनीति से प्रेरित) नहीं था, दोनों एक ही है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को कहा था कि प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के लिए सीबीआई को मंजूरी देने का पूर्ववर्ती भाजपा सरकार का कदम कानून के अनुरूप नहीं था तथा इसीलिए यह मंजूरी वापस लेने का फैसला किया गया है।

अदालत में लंबित मामले के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा, हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होगा। हम कानून के दायरे में लिए गए मंत्रिमंडल के फैसले से अदालत को अवगत कराएंगे। उनसे यह भी पूछा गया था कि अदालत ने प्राथमिकी रद्द करने की याचिका की सुनवाई करते हुए, शिवकुमार को अभियोजित करने की अनुमति देने में प्रक्रियागत खामी होने की दलील स्वीकार नहीं की थी।

प्रदर्शन

कर्नाटक राज्य रायथा संघ और हसीरू सेना के सदस्यों ने किसानों के लिए दूध खरीद मूल्य में बढ़ोतरी की मांग को लेकर शुक्रवार को बेंगलूरु में केएमएफ मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

'कंबाला' के लिए सज गया बेंगलूरु पैलेस ग्राउन्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउन्ड 'कंबाला' कार्यक्रम की मेजबानी करने को पूरी तरह से सज कर तैयार हो गया है। यहां दो दिन तक विश्व प्रसिद्ध 'कंबाला' (भैसा दौड़) का आयोजन बेंगलूरु कंबाला समिति (रजि.) द्वारा किया जा रहा है। शुक्रवार को आयोजक सचिव अक्षय राय ने बताया कि सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कंबाला ट्रैक बनकर तैयार हो चुका है और इसपर 'ट्रायल रन' भी हो गया है। दक्षिण कन्नड़ जिले से 180 जोड़े भैसा यहां पहुंच चुके हैं। भैसों के मालिक अपने जानवरों को बहुत ही प्यार से रखते हैं। दो दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम के लिए उनके लिए पीने का पानी और खाने का अन्न भी सभी अपने गांवों से लेकर यहां आए हैं। पैलेस रोड में बनाए गए ट्रैक के लिए मिट्टी भी दक्षिण कन्नड़ जिले से लाई गई है।

कंबाला महोत्सव कर्नाटक में स्थानीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है और उन किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जो कृषि गतिविधियों के लिए भैंसों का उपयोग करते हैं। यह त्यौहार किसानों के लिए अपनी भैंसों का प्रदर्शन करने और एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम करता है। इसके अलावा, यह आयोजन खेल भावना और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है। अक्षय राय ने बताया कि इस आयोजन को देखने के लिए लगभग 10 लाख से लोगों के आने की उम्मीद है। लोगों को दक्षिण कन्नड़ जिले के संस्कृति से परिचय कराया जाएगा। यहां के विशेष फूड भी 120 स्टॉलों पर उपलब्ध होगा। आयोजकों में प्रमुख गुणरंजन शेट्टी ने बताया लोगों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो इसके लिए पूरा प्रबंध किया गया है।

कंबाला क्या है

कंबाला एक वार्षिक भैंस दौड़ है जो सदियों से कर्नाटक के कृषि इतिहास का हिस्सा रही है। इस खेल में भैंसों की दो जोड़ी को हल से बांध कर कीचड़ भरे धान के खेत में दौड़ाया जाता है। भैंसों को दो लोगों की एक टीम द्वारा चलाया जाता है, जो जानवरों की पूंछ पकड़कर नंगे पैर उनके पीछे दौड़ते हैं। जो टीम सबसे पहले फिनिश लाइन पार करती है उसे विजेता घोषित किया जाता है। यह त्यौहार मुख्य रूप से नवंबर और दिसंबर के महीनों के दौरान उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों के तटीय क्षेत्रों में आयोजित किया जाता है। यह एक लोकप्रिय कार्यक्रम है जो बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित करता है। कंबाला महोत्सव की उत्पत्ति का पता प्राचीन काल से लगाया जा सकता है जब यह किसानों के लिए अपनी भैंसों की गति और ताकत का परीक्षण करने का एक तरीका था ।

कानूनगो पर जबरन घुसने, अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज

बेंगलूरु अनाथालय विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने एक अनाथालय में कथित रूप से जबरन घुसने और यह बयान देने को लेकर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की कि इस अनाथालय में बच्चे मध्यकालीन 'तालिबानी जीवन' जी रहे हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दारुल उलूम सैय्यादिया यतीमखाना उस समय सुर्खियों में आया जब कानूनगो के नेतृत्व में एनसीपीसीआर के दल ने जिला बाल संरक्षण अधिकारी (पूर्व) एवं अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में 19 नवंबर को अनाथालय का औचक निरीक्षण किया।

इसके बाद अनाथालय के सचिव अशरफ खान ने डीजे हल्ली पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई जिसमें आरोप लगाया गया कि कानूनगो ने मानवाधिकार आयोग से होने का दावा करते हुए और बिना अनुमति के 19 नवंबर को परिसर में प्रवेश किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कानूनगो ने अपने फोन पर एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया और इसे सोशल मीडिया पर साझा किया। खान ने एनसीपीसीआर अध्यक्ष पर अनाथालय में रहने वाले बच्चों के जीवन की तुलना तालिबान शासन से करने का भी आरोप लगाया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, प्राप्त शिकायत के आधार पर एनसीपीसीआर अध्यक्ष के खिलाफ 21 नवंबर को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 34 (साझा इरादे को पूरा करने के लिए कई व्यक्तियों द्वारा किया गया कार्य), 447 (आपराधिक जबरन प्रवेश), 448 (घर में जबरन प्रवेश), और 295 ए (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य, जिसका उद्देश्य किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना है) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। एनसीपीसीआर अध्यक्ष ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर प्रतिक्रिया देते हुए 'पीटीआई वीडियो' से कहा, यह मेरे संज्ञान में आया है कि कर्नाटक सरकार ने मेरे खिलाफ एक फर्जी मामला दर्ज किया है। मैं एनसीपीसीआर अध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्य के तहत अनाथालय का दौरा करने गया था। उन्होंने कहा, मेरे साथ कर्नाटक राज्य सरकार के अन्य अधिकारी भी थे। इसके बावजूद उन्होंने आपराधिक जबरन प्रवेश का मामला दर्ज किया है... अगर आप बच्चों को अवैध रूप से अपने घर में रखते हैं और सरकार के नियमों का पालन नहीं करते हैं, तो हम फिर से ऐसा करते रहेंगे।

एनसीपीसीआर अध्यक्ष ने कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव से भी यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि किशोर न्याय अधिनियम का अनुपालन न करने के आरोप में बेंगलूरु स्थित अनाथालय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए। एनसीपीसीआर ने मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा कि अनाथालय किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के तहत पंजीकृत नहीं है और उसके पास इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को रखने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा नहीं है।

एनसीपीसीआर के अनुसार, अनाथालय में लगभग 100 वर्ग फुट के पांच कमरे हैं और प्रत्येक कमरे में आठ बच्चों के लिए चार बंक बेड (ऐसे पलंग जिनमें ऊपर और नीचे दो बिस्तर लगाने की सुविधा होती है) और गलियारे में रखे चार बंक बेड पर 16 बच्चे सोते हैं। इसमें कहा गया है कि प्रार्थना के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दो बड़े कमरों में लगभग 150 बच्चे सोते हैं।

एनसीपीसीआर ने अपने पत्र में कहा, ''इनमें से किसी भी बच्चे को स्कूल नहीं भेजा जाता है, जो उनके शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। अनाथालय में खेल सामग्री या टीवी जैसी कोई मनोरंजक सुविधा उपलब्ध नहीं है। अनाथालय में बच्चों को जिस स्थिति में रखा जाता है, वह किशोर न्याय कानून, 2015 की धारा 75 का उल्लंघन है।''

कर्नाटक सरकार के पास जाति जनगणना कराने का कोई अधिकार नहीं : प्रह्लाद जोशी

हुब्बल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक सरकार के पास जाति जनगणना कराने का कोई अधिकार नहीं है। यहां पत्रकारों से बातचीत में जोशी ने कहा कि जातीय जनगणना कराने का काम केंद्र सरकार का है। कर्नाटक सरकार दावा कर रही है कि वह केंद्र सरकार के काम को अंजाम देगी। मंत्री ने कहा, कांग्रेस सरकार के भीतर जाति जनगणना के मुद्दे पर भारी मतभेद हैं। कांग्रेस के भीतर भ्रम बड़े पैमाने पर है और इसका शासन पर असर पड़ेगा। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने एक पत्र लिखकर कहा है कि मूल खाका गायब हो गया है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा जाति जनगणना के विरोध में हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया इस मामले में कुछ विधायकों को आगे रखकर हावी होने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों के हित में शासन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जोशी ने कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया कांग्रेस में गुट बना रहे हैं। उन्होंने 20 विधायकों को दौरे पर भेजा है। कई विधायक विदेश भी दौरे पर हैं। वह भ्रम पैदा कर रहे हैं, जो विवेकपूर्ण और सही नहीं है।

गति ने गोदाम सेवा शुरू की

बेंगलूरु। एक्सप्रेस वितरण एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन कंपनी गति ने बेंगलूरु के मायासंद्र में एक प्रौद्योगिकी-सक्षम सतह पोतांतरण केंद्र तथा वितरण गोदाम शुक्रवार को शुरू किया। यह कंपनी की 21 आधुनिक, स्वचालित तथा पर्यावरण-अनुकूल एसटीसीडी डब्ल्यू बनाने की योजना का हिस्सा है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया कि एसटीसीडीडब्ल्यू में 1,600 टन का दैनिक थ्रूपुट' और 40,000 टन का मासिक थ्रूपुट' देने की क्षमता है। गति एक्सप्रेस एंड सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी पिरोजशॉ सरकारी ने कहा, भारत की सिलिकॉन वैली और देश के प्रमुख उपभोग केंद्र बेंगलूरु में स्थिति प्रौद्योगिकी-सक्षम एसटीसीडीडब्ल्यू ग्राहक केंद्रित सेवा देने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

केआईएसएस का तीसरा वार्षिक दीक्षांत समारोह आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भुवनेश्वर। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज (केआईएसएस) का तीसरा वार्षिक दीक्षांत समारोह शनिवार को होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओडिशा के राज्यपाल रघुबरदास होंगे। प्रतिष्ठित अतिथि छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बीबी हरिचंदन होंगे, जिन्हें मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह को जी20 शेरपा, नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत संबोधित करेंगे। विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संगीत कंपोजर डॉ. रिकी जी. केज होंगे। वहीं, आध्यात्मिक गुरु स्वामी चिदानंद सरस्वती और एमएएस सिंगापुर के मुख्य फिनटेक अधिकारी सोपनेंदू मोहंती भी मानद उपाधि से विभूषित किए जाएंगे।

केआईएसएस के चांसलर सत्य एस त्रिपाठी दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगे। समारोह केआईआईटी कन्वेंशन सेंटर, कैंपस-6 में होगा। इसका सुबह 10 बजे से कलिंगा टीवी पर लाइव प्रसारण किया जाएगा।

राजस्थान में राज और रिवाज बदलने की लड़ाई, मतदान आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान शनिवार को होगा जिसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राजनीतिक गलियारों में राज्य के इस चुनाव को राज (सरकार) और 'रिवाज बदलने की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। बीते कुछ दशकों में, परंपरागत रूप से राज्य में हर विधानसभा चुनाव में राज यानी सरकार बदल जाती है... एक बार कांग्रेस एक बार भाजपा। भाजपा को बाकी बातों के अलावा इस 'रिवाज' से बड़ी उम्मीद है जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि इस बार यह 'रिवाज' बदलेगा और दोबारा उसकी सरकार बनेगी।

राज्य में 200 में से 199 सीट पर मतदान हो रहा है जहां 5.25 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डाल सकेंगे। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ कांग्रेस व मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच माना जा रहा है। कांग्रेस और भाजपा ने राज्य में 'राज और रिवाज' बदलने की इस लड़ाई में पूरी ताकत झोंकते हुए जोरदार चुनाव प्रचार किया, लेकिन यह प्रचार अभियान बृहस्पतिवार को थम गया।

सत्तारूढ़ कांग्रेस ने अपने प्रचार को अशोक गहलोत सरकार के काम, उसकी योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित किया और दोबारा सरकार बनने पर दी गई सात गारंटी को पूरा करने का वादा किया। वहीं, भाजपा नेता अपने अभियान में महिलाओं के खिलाफ अपराध, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर सरकार पर हमलावर रहे।

राजस्थान में कुल 200 विधानसभा सीट हैं। करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण चुनाव स्थगित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इन 199 सीट पर 1862 उम्मीदवार मैदान में हैं, जहां मतदाताओं की संख्या 5,25,38,105 है। इनमें 18-30 आयु वर्ग के 1,70,99,334 युवा मतदाता शामिल हैं, जिनमें 18-19 आयु वर्ग के 22,61,008 नए मतदाता शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मतदान शनिवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा, जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

जयपुर में शुक्रवार को विधानसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर मतदान अधिकारी अपने संबंधित मतदान केंद्र के लिए रवाना होने से पहले ईवीएम की जांच करते हुए।

सत्तारूढ़ कांग्रेस की ओर से इस बार भी अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे नेताओं में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, मंत्री शांति धारीवाल, बीडी कल्ला, भंवर सिंह भाटी, सालेह मोहम्मद, ममता भूपेश, प्रताप सिंह खाचरियावास, राजेंद्र यादव, शकुंतला रावत, उदय लाल आंजना, महेंद्रजीत सिंह मालवीय तथा अशोक चांदना व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट शामिल हैं। वहीं, भाजपा के प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया तथा सांसद दीया कुमारी, राज्यवर्धन राठौड़, बाबा बालकनाथ व किरोड़ी लाल मीणा मैदान हैं।

भाजपा ने कांग्रेस विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा छह सांसदों और एक राज्यसभा सदस्य सहित 59 मौजूदा विधायकों को टिकट दिया है। वहीं कांग्रेस ने सात निर्दलीय विधायकों और एक भाजपा विधायक-शोभारानी कुशवाह, जिन्हें पिछले साल भाजपा से निष्कासित कर दिया गया था, सहित 97 विधायकों को मैदान में उतारा है।

कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने वाले प्रमुख चेहरों में से एक पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा हैं, जो नागौर से विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं। नागौर से सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक हनुमान बेनीवाल भी विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इस पार्टी ने चन्द्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के साथ चुनावी गठबंधन किया है। भाजपा सभी सीट पर चुनाव लड़ रही है, जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस ने 2018 की चुनाव की तरह अपने सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के लिए एक सीट (भरतपुर) छोड़ी है। भरतपुर सीट से आरएलडी के मौजूदा विधायक सुभाष गर्ग चुनाव लड़ रहे हैं।

मेरी चिंता मेरी पार्टी और जनता करेगी : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि किसी नेता को उनकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। पायलट ने कहा,मेरी चिंता मेरी पार्टी और जनता करेगी। मोदी की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर पायलट ने टोंक में संवाददाताओं से से कहा,मेरी चिंता करने की जरूरत नहीं है, मेरी चिंता मेरी पार्टी, मेरी जनता करेगी और हम उसके प्रति समर्पित हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को एक रैली में सचिन पायलट के संदर्भ में कहा,...गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है। पार्टी के लिए जान लगाता है और सत्ता मिलने के बाद 'शाही परिवार' की शह पर उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल करके फेंक दिया जाता है। पायलट ने कहा कि उनके खिलाफ बहुत कुछ कहा गया, बहुत आरोप लगाये गये, लेकिन उन्होंने हमेशा अपना संयम ना खोने और जनता के बीच एक मर्यादित भाषा का प्रयोग करने की कोशिश की। आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का विश्वास जताते हुए पायलट ने कहा,विचारधारा को लेकर हमारा जो संघर्ष है उसमें हम लोग जीतकर आएंगे और देशभर में कांग्रेस पार्टी जीत हासिल करेगी।'

आप प्रत्याशी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के सिरोही निवासी एक व्यक्ति ने अलवर जिले के कठूमर विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी (आप)की टिकट पर चुनाव लड़ रहे सुनील कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी एवं जान से मारने का मामला दर्ज कराया है।

सिरोही निवासी नरेश कुमार ने बताया कि सुनील कुमार बरैवा मेरा कॉलेज से दोस्त है ,वो विधायक का चुनाव लड़ने के लिये मुझसे रूपयो की सहायता माँगी और बोला कि मेरा एटीएम कार्ड खो गया है और मोबाइल नंबर बन्द होने की वजह से पैसा का ट्रॉसजेक्शन नहीं हो रहे है। तुम कैश रुपये दे दो। जैसे ही मेरा खाता चालू होगा दो दिन में ट्रॉसफर कर दूंगा।

रिपोर्ट में कहा कि इस पर विश्वास करके मै 1,20,000 रुपये नकद लेकर आया । ये राशि 11 नवंबर 2023 को सुनिल कुमार बैरवा को दिये। दो दिन बाद मैने राशि ट्रॉसफर के लिये बोला तो कहने लगा मेरे बैंक खाते में अभी प्रॉब्लम आ रही है। परिवादी ने इस पर मैने बोला कि मुझे दो दिन की बोली थी और अब आप मना कर रहे हो। मुझे पैसे चाहिए नहीं तो मै मुकदमा दर्ज करवाता हैं ,तो सुनिल ने बोला कि पैस तो अब 25 नवंबर 2023 के बाद ही मिलेंगे और तू भी 25 नवम्बर 2023 तक कही नहीं जा सकता। वरना तेरा शव भी नही मिलगा। मेरी दिल्ली तक पहचान है। तुझे झूंठे केस बनाके तेरी जिन्दगी भी खराब कर सकता हैं मैं। आज किसी तरह से बचकर अलवर पुलिस स्टेशन पहँचा हूं। और मेरी जान को पूरा खतरा है।

रिपोर्ट में कहा कि मेरे अलवर पुलिस स्टेशन पहुँचने से पहले अलवर बस स्टेशन पर भी सुनिल कुमार बैरवा ने मेरे साथ मारपीट की और जबरदस्ती अपनी गाड़ी में डाल कर लेकर जा रहा था। मैने कन्ट्रोल रूम मै कॉल किया था। पुलिस गाड़ी ने मुझे बचाया और पुलिस स्टेशन लेकर आये। पुलिस के सामने ही मेरी और बैग की तलाशी दो बार हुई। मेरी और बैग की पूरी तलाशी का एक वीडियो पुलिस के पास है। मेरे पास सिर्फ आठ हजार रुपए है। वो भी सुनिल हडपना चाहता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधानसभा चुनाव के लिए सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद, 1.70 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को होने जा रहे मतदान के वास्ते चाकचौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार राज्य में कुल मिलाकर 1.70 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक, कानून व्यवस्था, राजीव शर्मा के अनुसार पुलिस ने राज्य के 199 विधानसभा क्षेत्रों के लिए शनिवार को निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं स्वतंत्र मतदान करवाने तथा भयमुक्त वातावरण बनाये रखने के लिए सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की है।

शर्मा ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए 70 हजार से अधिक राजस्थान पुलिस के पुलिसकर्मी, 18 हजार राजस्थान होमगार्ड, 2 हजार राजस्थान बॉर्डर होमगार्ड, 15 हजार अन्य राज्यों (उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश) के होमगार्ड और आरएसी की 120 कंपनियां शामिल हैं। इसके साथ ही केन्द्रीय अर्ध-सैनिक बल (सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी, आरपीएफ आदि) की कंपनियां एवं 18 अन्य राज्यों के सशस्त्र बल सहित कुल 1,70,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी लगाए जाएंगे।

राज्य में कुल 52139 पोलिंग बूथ पर मतदान होगा। सभी पोलिंग बूथ पर पुलिसकर्मी व होमगार्ड तैनात किए जाएंगे।अधिकारियों के अनुसार, राजस्थान के पांच पड़ोसी राज्यों से लगने वाली अंतरराज्यीय सीमा पर 276 चेक पोस्ट बनायी गयी हैं। ये चेक पोस्ट अवैध सामग्री एवं अवांछनीय व्यक्तियों के राज्य में प्रवेश को रोकने का काम कर रही हैं।

राज्य में 200 सीटों में से 199 सीटों पर शनिवार को मतदान होना है जहां सत्तारूढ़ कांग्रेस व मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी में सीधा मुकाबला माना जा रहा है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने बढचढकर मतदान करने की आमजन से की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रदेश की जनता से 25 नवम्बर को मतदान की अपील करते हुए कहा है कि आमजन अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर मतदान जरूर करें। राज्य की जनता का हर वोट महत्वपूर्ण और वह वोट ही अगले पांच साल के भविष्य का निर्धारण करेगा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा है कि हर व्यक्ति वोट देने के लिए जाए तो कांग्रेस सरकार के पिछले पांच सालों में किए गए कुकर्मों को अपने ध्यान में रखे। ऐसे में राजस्थान से भ्रष्टाचार समाप्त करने, तुष्टीकरण खत्म कर सामाजिक समरसता के लिए और राज्य के विकास के लिए बढचढकर मतदान करें।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि राज्य में 25 नवम्बर को विधानसभा चुनावों के लिए होने वाले मतदान में प्रदेश की जनता

भाजपा को प्रचण्ड बहुमत देने में अपनी भूमिका निभाए। प्रदेश की जनता ने पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस सरकार के कुकर्मों और कुशासन से दुखी होकर इस सरकार को उखाड फेंकने का मन बना लिया है। इसके चलते प्रदेश में इस बार मतदान के दिन आमजन ईवीएम में कमल के सामने वाला बटन ऐसे दबाएंगे जैसे कांग्रेस नेताओं को सजा दे रहे हों। राजस्थान में आमजन को थानागाजी गैंगरेप पीडिता की चीत्कार और भीलवाडा भट्टी कांड पीडिता की कराह सोने नहीं दे रही है। ऐसे में ईवीएम में कमल के सामने वाला बटन दबाकर महिलाओं को सुरक्षित करने की दिशा में पहला कदम उठाया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले पांच साल के कांग्रेस शासन में समाज का हर वर्ग कांग्रेस की नीतियों और भ्रष्टाचार से तंग रहा है। यहां इस पर कांग्रेस के विधायकों और मंत्रियों ने भ्रष्टाचार का जो तांडव मचाया है वह राजस्थान के इतिहास में इससे पहले किसी ने नहीं देखा। राजस्थान में मुख्यमंत्री कोरोना काल के दौरान पूरे छह माह तक आमजनता को भगवान भरोसे छोडकर खुद महलों में कैद हो गए और आमजन आक्सीजन तथा दवाओं के लिए मारा मारा फिरता रहा। हालात यह रहे कि अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने की जगह नहीं मिली। इसके बाद भी मुख्यमंत्री का दिल नहीं पसीजा।

पायलट ने पुरानी बातें भुलाकर कांग्रेस के उम्मीदवारों को जिताने की अपील की, गहलोत ने वीडियो साझा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मतदान से एक दिन पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट किया। इस वीडियो में पायलट लोगों से पुरानी बातें भुलाकर कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को जिताने की अपील कर रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर गुर्जरों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए सीधा हमला बोला था। राज्य में 200 विधानसभा सीटों में से 199 सीटों पर शनिवार को मतदान होना है जहां सत्तारूढ़ कांग्रेस व मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में सीधा मुकाबला माना जा रहा है।

गहलोत ने पायलट का 1.51 मिनट का वीडियो अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा है, कांग्रेस के युवा नेता सचिन पायलट जी की राजस्थान के लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील। वीडियो में पायलट लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील करते हुए कह रहे हैं कि मतदाताओं के फीडबैक, जनता की प्रतिक्रिया और रुझान से साफ है कि आने वाले समय में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने लोगों से कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताने की अपील की है।

वीडियो में उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है, पिछले कुछ हफ्तों में हम सब लोग पार्टी के लिए प्रचार करने अलग अलग जगह गए। जो प्रतिक्रिया, फीडबैक मिला है और मतदाताओं का जो रूझान है उसे देखकर स्पष्ट है कि आने वाले समय में सरकार कांग्रेस पार्टी की बनने जा रही है। उन्होंने कहा, तीस साल की जो परंपरा है कि पांच साल भाजपा, पांच साल कांग्रेस; उस रिवाज में परिवर्तन आएगा और एक बार पुन: सभी लोग कांग्रेस पार्टी को अपना आशीर्वाद देंगे। पायलट के अनुसार, चुनाव प्रचार के लिए सैकड़ों सभाएं कीं लेकिन कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां हम चाहकर भी नहीं पहुंच सके। इसलिए मेरी आपसे विनम्र अपील है कि प्रदेश की विकास की गति को बनाए रखने के लिए, सबको साथ लेकर चलने की जो रीति नीति कांग्रेस की है उसको बनाए रखने के लिए ये जरूरी है कि हम सारी बातें भुलाकर 'हाथ' के निशान पर बटन दबाकर कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से विजश्री दिलाएं। पायलट ने कहा, मैं आपसे अपील करना चाहता हूं कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में आप सब लोग अपने अपने कांग्रेस उम्मीदवारों को आशीर्वाद प्रदान करें।

उन्होंने लोगों से 25 नवंबर को भारी मात्रा में मतदान कर कांग्रेस उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा, यह जीत कांग्रेस की जीत होगी, जनता की जीत होगी और आने वाले समय में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद हमने जो योजनाएं चालू की हैं उनको रोकने की भाजपा की सोच को हम कामयाब नहीं होने देंगे। राजस्थान की 200 में से 199 विधानसभा सीटों पर 25 नवंबर को मतदान होगा और तीन दिसंबर को मतगणना होगी। कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण करणपुर सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया है।

बीते पांच साल में संभवत: यह पहली बार है जब गहलोत ने सोशल मीडिया पर पायलट का कोई वीडियो इस तरह से साझा किया है।

गहलोत ने कहा, जनता 'एक राजस्थानी' के लिए मतदान करे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दो 'गुजराती' राजस्थान में घूम रहे हैं, इसलिए उनकी जनता से अपील है कि वह एक 'राजस्थानी' के लिए मतदान करे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अच्छा काम किया है इसलिए चुनाव के बाद दोबारा सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 'अंडर करंट' चल रही है और इसकी वजह से कांग्रेस जीतेगी।

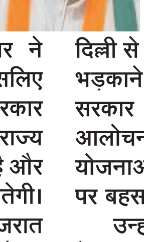

गहलोत ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की एक टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा, ''दो गुजराती घूम रहे हैं और मैं राजस्थानी हूं। मै कहां जाऊंगा? मैं तो राजस्थान वासियों के पास जाऊंगा। मेरे लिये तो राजस्थान वासी ही सब कुछ हैं। इसलिये मैं राजस्थान वासियों से कहूंगा कि वे मुझे जिताएं।'गुजरात के एक विधानसभा चुनाव में गहलोत पार्टी के प्रभारी थे। तब मोदी ने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि एक 'मारवाड़ी' गुजरात आया है और गुजरात विधानसभा चुनाव जीतना चाहता है। मोदी ने कहा था कि वह गुजराती हैं तो कहां जाएंगे?' गहलोत ने यहां जयपुर हवाई अड्डे पर मीडिया से कहा कि भाजपा ने गुजरातियों की भावनाएं भड़काकर वोट हासिल किये और चुनाव जीत गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली से राजस्थान में लोगों को भड़काने आए नेताओं ने राज्य सरकार की योजनाओं की आलोचना नहीं की, जबकि योजनाओं, कानूनों और गारंटी पर बहस की जा सकती थी।

उन्होंने कहा, ''दिल्ली के नेता भड़काने के लिये आए हैं। उन्होंने हमारी योजनाओं की आलोचना नहीं की, जबकारी हमारी सरकार में बने कानूनों, योजनाओं और गारंटी पर बहस हो सकती थी। इसका मतलब है कि ये खाली भड़काने आये हैं।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अच्छा काम किया है इसलिए सरकार को दोबारा काम करना चाहिए।

कामना

झालावाड़ में शुक्रवार को गणेश मंदिर में शीश नवाकर झालावाड़ सहित राजस्थान परिवार की सुख-समृद्धि एवं भाजपा की विजय के लिए कामना करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

घर में बेकार पड़े 'डीप फ्रीजर' में दम घुटने से चचेरी बहनों की मौत

जयपुर। राजस्थान के राजसमंद जिले के खमनोर थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना में दो चचेरी बहनों की आइसक्रीम के 'डीप फ्रीजर' में दम घुटने से मौत हो गई। यह बेकार 'डीप फ्रीजर' घर के बाहर रखा हुआ था। पुलिस ने बताया कि दोनों चचेरी बहनें घर में खेल रही थीं और घर के बाहर एक बेकार पड़े 'डीप फ्रीजर' में छिप गईं। इसी दौरान फ्रीजर का दरवाजा बाहर से बंद हो गया और वे बाहर नहीं आ सकीं।

थानाधिकारी भवानी शंकर ने बताया कि जब दोनों चचेरी बहनें पायल (10) और रितिका (11) देर तक लापता रहीं, तो उनके परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की और उन्हें डीप फ्रीजर में मृत पाया। शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा गया है और शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया।

बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में उसका चाचा गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में पांच साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में उसके चाचा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक विवाह समारोह में शामिल होने आया आरोपी शिवराज बैरवा (22) बुधवार रात को बच्ची को फुसलाकर छत पर ले गया जहां उसने उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। टोंक के पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज वर्मा ने कहा, पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया गया है और उसकी चिकित्सकीय जांच कराई गई है।

अज्ञात महिला का जला हुआ शव मिला

जयपुर के कालवाड़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह सुनसान इलाके में एक अज्ञात महिला का जला हुआ शव मिला। थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या प्रतीत हो रहा है कि महिला की हत्या कहीं और की गई और शव को एक सुनसान कमरे के पीछे खुली जमीन पर फेंककर जला दिया गया। उन्होंने बताया कि शव का निचला हिस्सा कुत्तों ने खा लिया है।

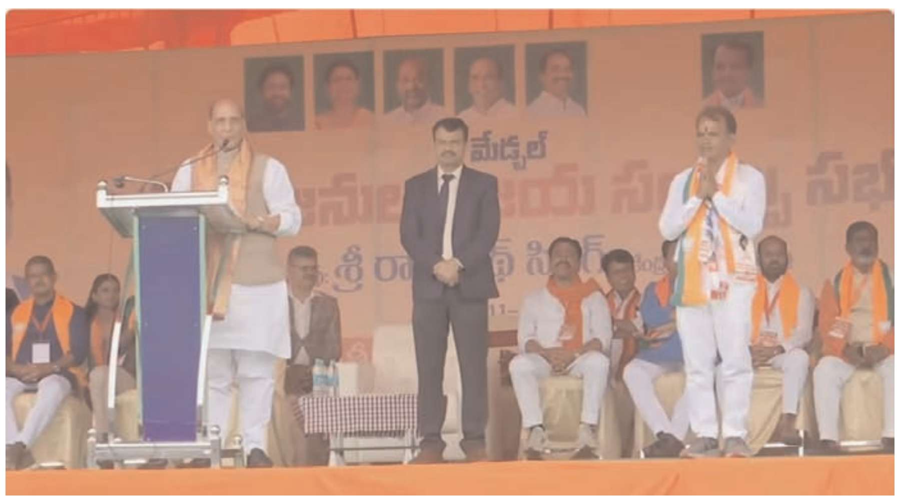

बीआरएस सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला, भाजपा शासित राज्यों में कोई भ्रष्टाचार नहीं : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कथित भ्रष्टाचार और परिवारवाद को लेकर तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर हमला करते हुए दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में कोई भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता।

सिंह ने मेडचल में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, ''बीआरएस सरकार बनने के बाद, तेलंगाना में भ्रष्टाचार तेजी से बढ़ गया। आप देख रहे होंगे कि इस सरकार के खिलाफ जांच भी चल रही है। उनके (केसीआर) परिवार के सदस्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप हैं।'' उन्होंने दावा किया कि देश में भाजपा शासित किसी भी राज्य सरकार पर कोई भ्रष्टाचार के आरोप की उंगली नहीं उठा सकता।

सिंह ने दावा किया, ''हम सभी और तेलंगाना के लोग 'राज्य प्रथम' कहते हैं लेकिन बीआरएस कहता है 'परिवार प्रथम'। मैं बताना चाहता हूं कि अगर भाजपा यहां (तेलंगाना में) अपनी सरकार बनाती है, तो यहां 'परिवार प्रथम' नहीं, बल्कि 'तेलंगाना प्रथम' होगा।'' उन्होंने दावा किया कि आजादी के बाद शायद ही कोई कांग्रेस सरकार रही होगी, जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप न लगे हों, यहां तक कि उनके मंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल तक जाना पड़ा। सिंह ने कहा, ''आपने अटल बिहारी वाजपेयी सरकार का कार्यकाल देखा है और अब नरेन्द्र मोदी सरकार पिछले नौ वर्षों से सत्ता में है। कोई भी भाजपा के किसी भी मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा सकता और न ही किसी मंत्री को जेल जाना पड़ा है।'' रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री केसीआर पर तेलंगाना के लोगों से किए गए ''वादे पूरे नहीं करने'' का भी आरोप लगाया।

'राम मंदिर' पूर्वजों के बलिदान और भावनाओं की सिद्धि: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि भगवान राम साक्षात धर्म के स्वरूप हैं और राम मंदिर पूर्वजों के बलिदान और उनकी भावनाओं की सिद्धि है।

शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के बड़ा भक्तमाल में विराजमान भगवान सीता-वल्लभ को सोने का मुकुट और छत्र अर्पित करने के उपरांत अपने संबोधन में कहा कि लंबे संघर्ष के बाद मंदिर आंदोलन एक निर्णायक स्थिति में पहुंचा। उन्होंने कहा, 'अयोध्या कैसी होनी चाहिए? यह तो इसकी शुरुआत है। भगवान राम साक्षात धर्म के स्वरूप हैं और राम मंदिर पूर्वजों के बलिदान और भावनाओं की सिद्धि है।' योगी ने कहा कि पहले लोग अपने आप को हिंदू और भारतीय बताने में संकोच करते थे, लेकिन आज हर व्यक्ति सनातन व भारतीयता के प्रति सम्मान का भाव रखता है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों तक चले लंबे संघर्ष के बाद रामलला 22 जनवरी को विराजमान होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राम मंदिर का उद्घाटन करने आ रहे हैं, ऐसे में अयोध्यावासियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को सफल बनाने और उसे ऊंचाई तक ले जाने के लिए अयोध्या वासियों को जिम्मेदारी संभालनी होगी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अमित शाह की जनसभा के लिए अनुमति दी

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने यहां 29 नवंबर को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक जनसभा के आयोजन की अनुमति देते हुए शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में जुलूस, रैलियां और सभाएं 'नियमित बात' हो गई है। भाजपा की जनसभा को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संबोधित करेंगे।

मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस संबंध में एकल पीठ के 20 नवंबर के आदेश को चुनौती संबंधी पश्चिम बंगाल सरकार की अपील को खारिज कर दिया। खंडपीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में और विशेष रूप से कोलकाता में जुलूस, रैलियां और सभाएं होना नियमित बात हो गई है। खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखा जिसने भाजपा को 29 नवंबर को कोलकाता में विक्टोरिया हाउस के सामने जनसभा आयोजित करने की अनुमति दी थी।

सुंदरबन में वार्षिक बाघ गणना 27 नवंबर से शुरू होगी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में वार्षिक बाघ गणना 27 नवंबर से शुरू होगी। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह उन विभिन्न राज्यों द्वारा राष्ट्रव्यापी गणना का हिस्सा है, जहां बाघ पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि 'कैमरा ट्रैप' अभ्यास पहले चरण में दक्षिण 24-परगना जिले के कुछ निकटवर्ती हिस्सों के साथ-साथ सुंदरबन बाघ अभयारण्य (एसटीआर) में एक महीने से अधिक समय तक चलेगा। उन्होंने कहा कि 'कैमरा ट्रैप' अभ्यास के दूसरे चरण में जिले के कुछ अन्य निकटवर्ती हिस्सों को भी शामिल किया जाएगा।

ओडिशा सरकार ने 21.73 लाख करोड़ रुपये की 848 औद्योगिक परियोजनाओं को दी मंजूरी: मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। उद्योग मंत्री प्रताप केशरी देब ने विधानसभा में शुक्रवार को कहा कि ओडिशा को पूर्वी भारत का एक औद्योगिक केंद्र बनाने के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में 848 औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी है जिनपर अनुमानित तौर पर 21.73 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा।

बीजू जनता दल (बीजद) के विधायक प्रफुल्ल सामल के सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राज्यभर में विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कुछ ठोस कदम उठाए हैं ताकि ओडिशा को पूर्वी भारत का एक औद्योगिक केंद्र बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि इन पहल के परिणामस्वरूप विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में 848 औद्योगिक परियोजनाओं को राज्य स्तरीय एकल खिड़की प्रणाली के जरिये मंजूरी दी गई है जिनपर अनुमानित निवेश की राशि 21,73,871.34 करोड़ रुपये है और इनसे 9,14,895 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

देब ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने औद्योगिक नीति क्रांति (आईपीआर)-2022 लागू करने के साथ 24 क्षेत्र विशेष केंद्रित नीतियां तैयार की हैं।

ईडी ने लखनऊ की कंपनी के खिलाफ धन शोधन मामले में कई राज्यों में छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आकर्षक रिटर्न का वादा करके कई निवेशकों से धोखाधड़ी के मामले में लखनऊ की एक कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत शुक्रवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में 20 परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई शाइन सिटी प्रॉपर्टीज लिमिटेड और उससे जुड़े लोगों के खिलाफ 800 करोड़ रुपये की अनुमानित धोखाधड़ी निवेश योजना के संबंध में की जा रही है।

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच किए जा रहे इस मामले के तहत दिल्ली, उत्तर प्रदेश में वाराणसी, प्रयागराज और लखनऊ और महाराष्ट्र में मुंबई में लगभग 20 स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। धन शोधन का मामला उत्तर प्रदेश पुलिस की कुछ प्राथमिकी पर आधारित है।

'पनौती' वाली टिप्पणी को लेकर कांग्रेस और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी द्वारा 'पनौती' शब्द का इस्तेमाल किए जाने को लेकर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच शुक्रवार को उस वक्त तीखे आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिले जब विपक्षी दल ने 'पनौती-ए-आजम' शीर्षक से एक पोस्टर सोशल मीडिया में पोस्ट किया। भाजपा ने इस पर यह कह कर पलटवार किया कि देश के लिए 'असली पनौती' गांधी परिवार है।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक हैंडल के जरिये एक पोस्टर पोस्ट किया जिस पर प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर है और 'पनौती-ए-आजम' लिखा हुआ है।

इस पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक पोस्टर जारी किया जिस पर गांधी परिवार के सदस्यों की तस्वीरें हैं। उन्होंने कहा, ''भारत की असली पनौती...पी-परिवारवाद, ए- आतंकवाद, एन-नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद), ए- 'ऐब्सल्यूट करप्शन' (संपूर्ण भ्रष्टाचार), यू- 'अंडरपरफॉर्मिंग इकॉनमी' (सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था), टी- तुष्टीकरण, आई- 'इग्नोरिंग नेशन इंट्रेस्ट फॉर वोटबैंक (वोटबैंक के लिए राष्ट्रीय हित की उपेक्षा करना)।''

राहुल गांधी ने गत रविवार को अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत की हार के बाद राजस्थान में एक चुनावी भाषण में मोदी के खिलाफ 'पनौती' शब्द का इस्तेमाल किया था।

आम तौर पर 'पनौती' शब्द ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो दुर्भाग्य लेकर आता है, अपशगुन करता है।

राहुल गांधी की इस टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया था। आयोग ने इसके बाद बृहस्पतिवार को राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति फातिमा बीवी एक सच्ची पथप्रदर्शक: पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यायमूर्ति एम फातिमा बीवी के निधन पर शुक्रवार को शोक व्यक्त किया और उन्हें एक ऐसी 'सच्ची पथप्रदर्शक' बताया जिनकी उल्लेखनीय यात्रा ने कई बाधाओं को तोड़ा और महिलाओं को बहुत प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'न्यायमूर्ति एम. फातिमा बीवी के निधन से दुखी हूं। एक सच्ची पथप्रदर्शक..., उनकी उल्लेखनीय यात्रा ने कई बाधाओं को तोड़ दिया और महिलाओं को बहुत प्रेरित किया। कानूनी क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश और तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल फ़ातिमा बीवी का बृहस्पतिवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया।

उच्चतम न्यायालय का फैसला सभी राज्यपालों के लिए फटकार है : चिदंबरम

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय का फैसला सिर्फ पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के लिए ही नहीं, बल्कि सभी राज्यपालों के लिए फटकार है। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को 19 और 20 जून को आयोजित ''संवैधानिक रूप से वैध'' सत्र के दौरान विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि राज्यपाल की शक्ति का उपयोग ''कानून बनाने के सामान्य रास्ते को बाधित करने'' के लिए नहीं किया जा सकता। पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राज्यपाल की शक्तियों पर उच्चतम न्यायालय का फैसला न केवल पंजाब के राज्यपाल के लिए, बल्कि सभी राज्यपालों के लिए कड़ी फटकार है।'' उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को फैसले की प्रत्येक पंक्ति पढ़नी चाहिए और यदि वह आवश्यक समझते हैं, तो सक्षम वरिष्ठ वकील को फैसले को समझाने के लिए बुलाएं।''

नए संसद भवन में साइबर सुरक्षा को लेकर सांसदों ने जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सांसदों ने शुक्रवार को नए संसद भवन में साइबर सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और बैंकों से जनता की वित्तीय संपत्तियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाने का आह्वान किया। सांसदों ने देश में साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और इसके लिए 'साइबर चेतना सूचकांक' विकसित करने का आह्वान किया।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रबंधन पर राज्यसभा की समिति की एक बैठक आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्य एन डी गुप्ता की अध्यक्षता में हुई जिसमें मंत्रालय के सचिव ने साइबर सुरक्षा के मुद्दों और मंत्रालय तथा उसके तहत आने वाले संगठनों के तौर तरीके पर सदस्यों के समक्ष एक प्रस्तुति दी। समिति की बैठक को सदस्यों ने संबोधित किया और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक के शीर्ष अधिकारियों के विचारों को सुना।

इस दौरान एक प्रस्तुति भी दी गई जिसमें साइबर सुरक्षा बढ़ाने और संसद के नए भवन को सुरक्षित करने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में बताया गया। समिति के सदस्यों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी चिंताओं और प्रश्नों को उठाया। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव और पंजाब नेशनल बैंक के प्रतिनिधियों ने भी नियामक ढांचे और साइबर सुरक्षा और डिजिटल पहचान/डिजिटल भुगतान के लिए तंत्र को लागू करने पर उनके द्वारा किए जा रहे उपायों और इसे और मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर अपने विचार व्यक्त किए।

सूत्रों ने कहा कि समिति के सदस्यों ने बैंक के शीर्ष अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि जनता की वित्तीय संपत्तियां सुरक्षित रहें। उन्होंने इससे जुड़े मुद्दों पर कई सवाल भी पूछे।

सूत्रों ने बताया कि साइबर सुरक्षा में सेंध और धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच समिति निकट भविष्य में निजी बैंकों के शीर्ष अधिकारियों को बुला सकती है और सदस्य जल्द ही मुंबई स्थित बैंक मुख्यालय का दौरा करेंगे ताकि इस संबंध में बैंकों द्वारा उठाए गए कदमों की जांच की जा सके।

अब तक, पैनल ने भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों को बुलाया है और इस मुद्दे पर अपनी चिंताओं को उठाया है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा नए संसद भवन में संसद सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की भी अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई और उन्होंने इस मुद्दे पर सदस्यों की चिंताओं का जवाब दिया।

अरुणाचल प्रदेश: 'फर्जी' नियुक्ति पत्र पेश करने के आरोप में 256 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त की गईं

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने शिक्षा विभाग की औपचारिकताओं को पूरा किए बिना संबंधित अधिकारियों को ''फर्जी'' नियुक्ति आदेश देने के आरोप में 256 शिक्षकों, लिपिकों और सहायक कर्मचारियों की सेवाओं को समाप्त कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शिक्षा आयुक्त अमजद टाक ने कथित अनियमितताओं का विश्लेषण करने के लिए गठित एक जांच समिति की जांच के बाद विभिन्न जिलों में नियुक्त इन कर्मचारियों को सेवाओं से बर्खास्त करने के अलग-अलग आदेश जारी किए हैं। जांच में पाया गया कि ऐसे नियुक्ति पत्र ''प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय से कभी जारी नहीं किए गए थे''। आदेशों से पता चला कि ''बड़ी संख्या में प्राथमिक शिक्षक (पीआरटी), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी), उच्च और निम्न श्रेणी के लिपिक (यूडीसी और एलडीसी) और मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) ने नियुक्ति आदेश प्रस्तुत करके अपना पद सुरक्षित कर लिया था। बाद में पता चला कि यह धोखाधड़ी थी।''

टाक ने कहा, ''सभी अवैध नियुक्तियां विभिन्न अधिकारियों ने की थी और मामले में जांच जारी है। अब तक लोंगडिंग जिले के माध्यमिक शिक्षा विभाग के एक उप निदेशक को अनियमितताओं में शामिल होने के आरोप में निलंबित किया गया है। मामले में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई शुरू की जाएगी।''

माही भाई से संयमित बने रहने पर चर्चा की थी: रिंकू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मुश्किल परिस्थितियों में खेली गयी पारी के दौरान संयम बनाये रखने के लिए पूर्व कप्तान एमएस धोनी को श्रेय दिया। रिंकू ने गुरुवार को 'फिनिशर' की भूमिका बखूबी निभाते हुए अंतिम ओवर में विजयी रन लिया और भारत को दो विकेट से जीत दिलायी।

बीसीसीआई के गुरुवार को जीत के बाद के एक वीडियो में रिंकू ने कहा, ''जहां तक सयंमित बने रहने के राज की बात है तो मैंने माही (धोनी) भाई से चर्चा की थी कि वह संयमित बने रहने के लिए क्या करते हैं, विशेषकर अंतिम ओवर में। '' रिंकू ने हालांकि धोनी के साथ बातचीत के बारे में विस्तार से नहीं बताया, उन्होंने कहा, ''उन्होंने (धोनी ने) मुझे कहा था कि जहां तक संभव हो शांत बने रहने की कोशिश करो और सीधे गेंदबाज को देखने की कोशिश करो। मैंने इसी तरह मैच में संयम बनाये रखने की कोशिश की। '' आस्ट्रेलिया के खिलाफ 209 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत का स्कोर 15वें ओवर में चार विकेट पर 154 रन पर था जब रिंकू क्रीज पर उतरे। कप्तान सूर्यकुमार यादव दूसरे छोर पर थे। रिंकू ने धैर्य बनाये रखा और उन्होंने स्ट्राइक रोटेट करके 'स्मार्ट' क्रिकेट खेला और ढीली गेंदों की धुनाई की। उत्तर प्रदेश के 26 साल के इस बल्लेबाज ने 14 गेंद में नाबाद 22 रन बनाये जिसमें चार चौके शामिल थे। उन्होंने कहा, ''जीतकर अच्छा महसूस हुआ। जब मैं बल्लेबाजी के लिए उतरा तो मेरा एक ही लक्ष्य था मैं अच्छा खेलूं और सूर्यकुमार के साथ खेलना अच्छा लगा। मैं मुश्किल परिस्थितियों में जो आमतौर पर करता हूं, वही करने और जहां तक संभव हो शांत रहने की कोशिश कर रहा था।''

हरमनप्रीत की हैट्रिक, पंजाब राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनल में

चेन्नई/भाषा। एशियाई खेलों की विजेता भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक की मदद से पंजाब ने शुक्रवार को यहां उत्तराखंड को 13-0 से हराकर हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। हरमनप्रीत (22वें, 23वें, 55वें मिनट) के अलावा युवा भारतीय डिफेंडर जुगराज सिंह (14वें, 18वें, 39वें) ने भी हैट्रिक लगायी। राष्ट्रीय टीम के उनके साथी दिलप्रीत सिंह (37वें, 48वें) और सुखजीत सिंह (52वें) ने भी पंजाब के लिए गोल दागे। परविंदर सिंह (12वें), हरसाहिब सिंह (15वें, 54वें) और कंवरजीत सिंह (58वें) ने पंजाब के लिए अन्य गोल किये। भारत के तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे ललित उपाध्याय (11वें) ने भी उत्तर प्रदेश को एक अन्य मैच में राजस्थान पर 8-1 से जीत दिलाने में मदद की जिससे टीम पूल में शीर्ष पर रही। हॉकी 'पावरहाउस' ओडिशा ने भी तेलंगाना को 7-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में स्थान सुनिश्चित कर लिया।

सिर्फ बेखौफ क्रिकेट खेला, किशन ने काफी मदद की : सूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। सूर्य कुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी आक्रामक पारी को 'बेखौफ' करार दिया और मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने साथ ही कहा कि उन्हें कप्तानी में पदार्पण करते हुए देश को जीत दिलाने पर गर्व है।

सूर्यकुमार ने 42 गेंद में 80 रन की पारी खेलने के अलावा इशान किशन के साथ तीसरे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी भी की जिससे भारत ने गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के 209 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक गेंद शेष रहते दो विकेट से जीत दर्ज की।

सूर्यकुमार विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की छह विकेट की हार के दौरान सिर्फ 18 रन बना पाए थे।

चोट के कारण हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में टीम की अगुआई कर रहे सूर्यकुमार हालांकि अपने पसंदीदा प्रारूप में एक बार फिर शानदार लय में दिखे। उन्होंने अपनी पारी में चार छक्के और नौ चौके मारे। एक शब्द में अपने खेल का जिक्र करने के लिए कहने पर

सूर्यकुमार ने इसे 'बेखौफ' करार दिया। कप्तान ने इशान किशन की भी तारीफ की जिन्होंने 39 गेंद में 58 रन की पारी खेलकर उनका अच्छा साथ निभाया और जीत के लिए शानदार मंच तैयार किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए 190.47 के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले सूर्यकुमार ने कहा, ''मुझे लगता है कि उसने (किशन) मेरी काफी मदद की। मेरे निडर क्रिकेट खेलने के लिए उसका वहां टिके रहना और उसकी पारी बेहद महत्वपूर्ण थी।''

अंत में रिंकू सिंह ने 14 गेंद में नाबाद 22 रन की पारी खेलकर भारत की जीत सुनिश्चित की। सूर्यकुमार ने 'बीसीसीआई' से कहा, ''मुझे लगता है कि वह काफी धैर्य के साथ खेला, यह हालांकि काफी दबाव वाली स्थिति थी। जब वह बल्लेबाजी के लिए आया तो काफी शांतचित्त था और उसने जो जज्बा दिखाया मुझे लगता है कि वह शानदार था।'' यह पूछने पर कि क्या ऑस्ट्रेलिया के 200 रन से अधिक के स्कोर को देखने के बाद ड्रेसिंग रूम में तनाव था, कप्तान ने कहा, ''थोड़ा बहुत। ड्रेसिंग रूम में इतना अनुभव नहीं है लेकिन सभी लड़के रोमांचित थे।'' उन्होंने कहा, ''जब उन्होंने स्कोर देखा तो सिर्फ इतना कहा कि अगर हम जीते तो काफी मजा आएगा।''

सूर्यकुमार ने कहा, ''देश की अगुआई करने के लिए गौरवांवित महसूस कर रहा हूं और कप्तान के रूप में अपने पहले ही मैच में योगदान देकर खुश हूं। अगले मैच को लेकर उत्सुक हूं।''

सुविचार

जीवन में कितना कुछ खो गया, इस पीड़ा को भूल कर क्या नया कर सकते हैं, इसी में जीवन की सार्थकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नीयत में खोट

उत्तरी चीन में बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों और एच9एन2 संक्रमण के मामलों को देखते हुए दुनिया को सावधानी बरतने की जरूरत है। साल 2020 में कोरोना वायरस संक्रमण फैलने से पहले चीन ने जिस तरह लापरवाही बरती थी, उसका नतीजा सब देख चुके हैं। जिन परिवारों ने कोरोना महामारी में स्वास्थ्य, जीवन और धन का बड़ा नुकसान देखा, वे अब तक उन बुरी यादों से मुक्त नहीं हुए हैं। कहीं चीन दुनिया को फिर किसी बड़ी मुसीबत में न डाल दे, इसलिए बेहद जरूरी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संबंधित शोध संस्थान उक्त मामले में हस्तक्षेप करें और नमूनों का किसी अंतरराष्ट्रीय लैब में परीक्षण कराया जाए। डब्ल्यूएचओ ने चीनी बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों और निमोनिया के मामलों में संभावित चिंताजनक वृद्धि के बारे में जानकारी देने के लिए आधिकारिक अनुरोध भी किया, लेकिन बीजिंग का रवैया लीपा-पोती करने वाला ही प्रतीत हो रहा है। उसके अधिकारी कह रहे हैं कि उनके देश में कोई 'असामान्य या नई बीमारी' सामने नहीं आई है! अगर सच में ऐसा है तो यह अच्छी बात है, लेकिन इसके साथ ही चीन को डब्ल्यूएचओ से सहयोग करना चाहिए। इतना कह देना काफी नहीं है कि हमारे यहां ऐसी कोई बीमारी नहीं आई है। जब साल 2020 की शुरुआत में चीन में अचानक बुखार, जुकाम और श्वसन रोग संबंधी लक्षणों वाले कई मरीज सामने आए तो जिन डॉक्टरों ने सरकार का इस ओर ध्यान दिलाने की कोशिश की, उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा था। एक युवा डॉक्टर ली वेनलियांग, जिन्होंने इस बीमारी से आगाह किया था, वे न केवल सरकारी कोप के शिकार हुए, बल्कि संक्रमण के कारण उनकी जान भी चली गई थी।

चीन के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए जरूरी है कि वहां के ताजा हालात पर कड़ी नजर रखी जाए। इस बात की कोशिश की जाए कि चीन संक्रमण के नमूने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ साझा करे, जांच में सहयोग करे। अगर कहीं कुछ भी संदिग्ध लगे तो चेतावनी जारी की जाए। चीन से तब तक संबंध निलंबित किए जाएं, जब तक कि खतरा टल न जाए। दुनिया अभी इस स्थिति में नहीं है कि कोरोना के बाद एक और आफत का सामना करे। चीनी रवैए के मद्देनजर वैज्ञानिकों का कहना उचित है कि इस स्थिति पर कड़ी निगरानी की जरूरत है, लेकिन यह बात पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि वहां श्वसन संबंधी बीमारियों में हालिया वृद्धि किसी नए वैश्विक संक्रमण की शुरुआत का संकेत है या नहीं। वास्तव में हकीकत तो तब सामने आएगी, जब अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञों को चीन स्वतंत्रतापूर्वक जांच की अनुमति देगा। संपूर्ण घटनाक्रम पर बीजिंग की ओर से जो कुछ कहा जा रहा है, उस पर सवाल उठ सकते हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने डब्ल्यूएचओ को श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि की सूचना दी थी। अधिकारियों ने वजह बताई कि कोविड-19 संक्रमण से निपटने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन से संबंधित पाबंदियां हटा दी गई थीं। सवाल है- जब दुनियाभर में लॉकडाउन के प्रतिबंध हट चुके थे तो चीन में ये इतनी लंबी अवधि तक क्यों लागू थे? चूंकि वह तो दावा करता रहा है कि उसके यहां संक्रमण बहुत कम फैला था, क्योंकि उसने बढ़िया प्रबंधन किया था! अगर दुनिया से लुका-छिपी रखते हुए लॉकडाउन जैसे कड़े प्रतिबंध काफी समय से लागू थे तो क्या इसका अर्थ यह नहीं है कि चीन में कोरोना संक्रमण के मामले बहुत ज्यादा थे? अगर संक्रमण के मामले काफी ज्यादा थे तो प्रतिबंधों में ढील क्यों दी गई? बेहतर तो यह होता कि हालात सामान्य होने तक प्रतिबंध जारी रखे जाते। चीन के पास इन सवालों के जवाब नहीं हैं, जिससे उसकी नीयत में खोट होने का पता चलता है। भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय का यह कहना राहत की बात है कि चीन में सामने आए मामलों से हमारे देश के लिए कम जोखिम है।

ट्वीटर टॉक

चूरू के सरदारशहर में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में कई लोगों के असमय जान गंवाने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस कठिन घड़ी में धैर्य व संबल प्रदान करें।

-राजेन्द्र राठौड़

चिरंजीवी योजना - 50 लाख तक मुफ्त इलाज, भारत की सबसे बेहतरीन योजना! महात्मा गांधी अस्पताल में लाभार्थी मरीज़ और उनके परिवार खुद इस बात पर मुहर लगा रहे हैं। मोदी जी, इसे कहते हैं गारंटी - तकलीफ में सहारा बनने, कंधे से कंधा मिला कर चलने की।

-राहुल गांधी

उत्तर प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत 03 से 06 वर्ष के बच्चों को गर्म भोजन उपलब्ध कराए जाने हेतु आज श्री अयोध्या जी से 'हॉट कुक्ड मील योजना' का शुभारंभ होने जा रहे 3,401 आंगनबाड़ी केंद्रों का शिलान्यास हुआ।

-योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

सत्य परख की दृष्टि

एक दिन एक शिष्य को सड़क पर पड़ी एक चमकती चीज मिली। उसने उसे अपने गुरु को दिखाकर उनसे पूछा, 'क्या यह एक असली हीरा है?' गुरु ने शिष्य से कहा, 'पुस्तकालय जाओ और हीरों के बारे में जितनी भी जानकारी मिले, पढ़ आओ।' शिष्य गया, उसने हीरों के बारे में सब कुछ पढ़ डाला और उनकी पर्याप्त जानकारी हासिल कर लौट आया। उसके आने पर गुरु ने कहा, 'अब मैं यह बता सकता हूं कि तुम्हें सड़क किनारे जो कुछ पड़ा मिला, वह असली हीरा है।' विस्मित शिष्य बोल पड़ा, 'कैसी विचित्र बात है! आपने मुझे यह पहले ही क्यों नहीं बता दिया? क्या इसके पीछे कोई वजह है?' गुरु ने कहा, 'हां, मैं यह यकीन करता हूं कि किसी को भी नादान नहीं होना चाहिए। तुम्हें हर चीज खुद परखकर देखनी चाहिए। अब जबकि तुम्हें हीरों के बारे में पूरी जानकारी हो चुकी है, तुम इस बात की जांच खुद कर सकते हो कि मैं जो कुछ तुम्हें कह रहा हूं, यह सच है या नहीं। चाहे वह जिंदगी हो या फिर कीमती पत्थर, तुम खुद अपने विशेषज्ञ होने में सक्षम हो। कोई भी तुमसे अधिक अच्छी तरह सत्य को नहीं जानता, बशर्ते तुम्हें यह पता हो कि खुद के वास्तविक स्वरूप के साथ जीने का क्या मतलब होता है।'

सामयिक

तेलंगाना में विधानसभा चुनाव 30 को

केसीआर क्या बचा पाएंगे अपनी सत्ता?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

केसीआर के नाम से मशहूर तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव हैट्रिक की कोशिश में जी जान से जुटे हैं। हैदराबाद में बने रहने के लिए अपनी पार्टी के नाम में तेलंगाना की जगह भारत लगा कर दिल्ली में भी दफ्तर खोल चुके हैं - लेकिन उनके मिशन में दिल्ली की दो पार्टियां, भाजपा और कांग्रेस, बाधा बन कर खड़ी हो गयी हैं। हैदराबाद में सबसे पहले भाजपा ने दस्तक दी थी, कांग्रेस को तो वैसे भी फैसले लेने में काफी वक्त लग जाता है। जुलाई, 2022 में भाजपा ने हैदराबाद में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की थी। बैठक के बहाने भाजपा के सारे महत्वपूर्ण नेता तेलंगाना पहुंचे थे - और जिसे जितना और जहां बन पड़ा, केसीआर की सरकार पर हमले बोलता रहा। जहां बन पड़ा, केसीआर की सरकार पर हमले बोलता रहा। देखा देखी, कांग्रेस ने भी तेलंगाना में सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलायी। सार्वजनिक समारोहों में जरूरत भर शिरकत करने वाली सोनिया गांधी ने हैदराबाद के पास तुक्कुगुडा में एक पब्लिक रैली भी की-और कांग्रेस की तरफ से महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की, हम 6 गारंटी की घोषणा कर रहे हैं ... हम हर गारंटी को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

अब तेलंगाना में सत्ता की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। कल्याण योजनाओं (फ्रीबीज) के सहारे लगातार तीसरी बार वापसी के लिए प्रयासरत मुख्यमंत्री के। चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने पूरी ताकत लगा दी है। सशंकित भी कम नहीं हैं। सत्ता बचाने के साथ उनके सामने अपनी सीट बचाने की चुनौती है। यही कारण है कि इस बार उन्होंने दो सीटों से नामांकन किया है।परंपरागत सीट गजवेल से लगातार तीसरी बार और कामारेड्डी से पहली बार मैदान में हैं। गजवेल में उनके ही पुराने सहयोगी एटाला राजेंदर ने भाजपा के टिकट पर चुनौती दे रखी है तो कामारेड्डी में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने

अब तेलंगाना में सत्ता की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। कल्याण योजनाओं (फ्रीबीज) के सहारे लगातार तीसरी बार वापसी के लिए प्रयासरत मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने पूरी ताकत लगा दी है। सशंकित भी कम नहीं हैं। सत्ता बचाने के साथ उनके सामने अपनी सीट बचाने की चुनौती है। यही कारण है कि इस बार उन्होंने दो सीटों से नामांकन किया है।

घेर लिया है, जो कांग्रेस के मुख्यमंत्री दावेदार भी माने जा रहे हैं। हैदराबाद से 54 किमी दूर गजवेल में हालांकि, केसीआर जीत को लेकर आश्वस्त है और इसीलिए अब तक प्रचार के लिए नहीं आए। अब विरोधी खेमा इसे ही मुद्दा बना रहे हैं, क्योंकि ऐसे भी कई हैं जिन्होंने पिछले दस साल में कभी केसीआर को सामने से देखा ही नही हैं।लगभग 60 हजार आबादी वाले गजवेल कस्बे को अपनी किस्मत पर गर्व है। चमचमाती सड़कें शोर मचाती हैं कि यह वीआईपी क्षेत्र है। चार लेन की मुख्य सड़क के बीच में फूलों की क्यारियां आकर्षित करती हैं। चमकीले बोर्ड, अस्पताल, बैंकों की शाखाएं और लोगों की समृद्ध मुस्कान बताती है कि नौ वर्षों में इस क्षेत्र का काफी ख्याल रखा गया है। फिर भी केसीआर शायद भूल रहे हैं कि अलग तेलंगाना के प्रणेता के रूप में वोटरों ने उन्हें 2014 में पसंद किया था। 2018 की कहानी भी अलग थी। तब तेलंगाना भावना उफान पर थी।

कल्याण योजनाओं ने केसीआर की छवि को निखार दिया था। दस वर्षों में स्मृतियां कमजोर हो जाती हैं। लोग भूलने लगते हैं। उसपर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का मंचों से यह आरोप कि भाजपा और बीआरएस में फिक्सिंग है, केसीआर को परेशान तो कर ही रहा है। हालांकि, सच यह है कि केसीआर के लिए गजवेल की चुनौती इसलिए बड़ी है कि भाजपा के एटाला राजेंदर मैदान में हैं, जो पहले बीआरएस में भी रह चुके हैं। कांग्रेस ने नरसा रेड्डी को उतार रखा है। विरोधियों के तमाम हमले के बावजूद आम धारणा है कि गजवेल के लोग केसीआर से खुश हैं। शायद केसीआर को भी ऐसा ही भ्रम है। इसीलिए उन्होंने इस चुनाव में प्रचार के लिए अभी तक गजवेल में कदम नहीं रखा है। चिरपल्ली के गौडाराम कहते हैं कि उन्हें पूरा प्रदेश देखना है। गजवेल के लिए हमलोग पर्याप्त हैं।बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर नरसिम्हा बताते हैं कि हम वोट देते हैं, लेकिन कभी सामने से देखा नहीं। हमारा काम हो जाता है, मगर मुलाकात नहीं होती। शादी-समारोहों में भी बुलाने पर नहीं आते। केसीआर की इसी शैली को भाजपा प्रत्याशी एटाला उछाल रहे हैं।

केसीआर सरकार में स्वास्थ्य एवं वित्त विभाग संभाल चुके एटाला तेलंगाना आंदोलन में भी साथ थे। जमीन घोटाले के आरोप में 2021 में केसीआर ने बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हो गए। एटाला लोगों को केसीआर के पुराने वादों की याद दिला रहे हैं। रैलियों में कहते हैं कि 2018 के चुनाव में केसीआर ने गरीबों को टू-बीएचके फ्लैट, प्रत्येक परिवार में एक को नौकरी एवं विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकार में दो लाख वैकेंसी को भरने की कसम खाई थी। जो कहा था वो दिया क्या?

एटाला खुद को भी एक राजनीतिक पीड़ित बताते हैं। केसीआर की मुश्किलें इसलिए भी बढ़ती दिख रही है कि एटाला मुदिराज समुदाय से आते हैं, जो ओबीसी है। गजवेल विधानसभा क्षेत्र में इसकी आबादी लगभग 60,000 है, जबकि केसीआर वेलमा जाति से हैं, जिसकी आबादी प्रदेश में बहुत ही कम है। चुनौतियां कांग्रेस की ओर से भी है। केसीआर को भरोसा अपनी उन कल्याणकारी योजनाओं पर है, जिन्हें वह नौ वर्षों से चलाते आ रहे हैं। बीआरएस के प्रचारक वोटरों को आगाह करते हैं कि कांग्रेस या भाजपा अगर सत्ता में आ गई तो ये सारी योजनाएं बंद हो जाएंगी, मगर कांग्रेस वोटरों को आगे की दुनिया दिखा रही है। उसकी छह गारंटियों में उन सारी योजनाओं की राशि लगभग दुगुनी है जिन्हें केसीआर की सरकार ने पहले से चला रखा है।

गौरतलब है कि केसीआर को मालूम था कि इस चुनाव में उन्हें कांग्रेस और भाजपा दोनों से लोहा लेना पड़ेगा इसीलिए चुनावों में कांग्रेस और भाजपा से लोहा लेने के मकसद से ही केसीआर पहले से ही राष्ट्रीय राजनीति में दखल देने की कोशिश शुरू कर थे, लेकिन तीसरा मोर्चा खड़ा करने की उनकी कोशिश कोई खास रंग नहीं ला सकी। केंद्र में सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ आज की तारीख में ज्यादातर राजनीतिक दल एकजुट देखे जा सके, लेकिन केसीआर की कोशिश उन दलों का गठबंधन खड़ा करने में रहा है, जो कांग्रेस और भाजपा दोनों से परहेज करते हों। दिल्ली पहुंच कर केसीआर ने आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव को साथ लेकर चलने की कोशिश भी की, लेकिन बाद में वे दोनों ही इंडिया गठबंधन का हिस्सा बन गये। पांच राज्यों में हो रहे चुनावों की तुलना करें तो सभी मुख्यमंत्रियों के सामने करीब करीब एक जैसी ही चुनौती है। तेलंगाना की स्थिति भी कोई अलग तो नहीं है, लेकिन अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और शिवराज सिंह चौहान से तुलना करें तो पाएंगे कि केसीआर की पोजीशन बेहतर है। शायद, इसलिए क्योंकि भाजपा और कांग्रेस तेलंगाना में केसीआर को वैसे ही चैलेंज पेश कर रहे हैं, जैसे दिल्ली में मोदी सरकार को बिखरा हुआ विपक्ष। जैसे देश में मोदी सरकार के सामने सामने विपक्ष मजबूत चैलेंज नहीं पेश कर पा रहा है, तेलंगाना में भी तकरीबन वैसी ही स्थिति है- लेकिन जो जोखिम भाजपा के लिए 2024 के लिए है, केसीआर के सामने भी सब कुछ अभी वैसा ही है।

विशेष

राज बदलेगा या रिवाज : गहलोत की सात गारंटियों पर मोदी की एक गारंटी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

राजस्थान विधान सभा चुनाव के लिए शनिवार 25 नवम्बर 2023 को मतदान होने जा रहा है। 200 सीटों वाली राजस्थान विधानसभा की 199 सीटों पर 25 नवंबर को मतदान होगा, जबकि श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी की मृत्यु होने के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले 2018 और 2013 में भी एक सीट पर चुनाव नहीं कराए गए थे। भारत निर्वाचन आयोग ने राजस्थान में स्वतंत्र, निष्पक्ष और भय मुक्त वातावरण में मतदान की पुख्ता व्यवस्था की है। चुनाव में प्रदेशभर में स्थापित 51 हजार 507 मतदान केंद्रों पर 5 करोड़ 26 लाख 90 हजार 146 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे।पनौती, जेब कतरे और मूर्खों के सरदार आदि आरोप प्रत्यारोप के बीच राजस्थान विधान सभा के चुनावों पर देशभर की निगाह टिकी हुई है। यहाँ हर रोज सत्ता के समीकरण बदलते रहे है। चुनावों की घोषणा के समय लगभग सभी खबरिया चैनलों के ओपिनियन पोल में निर्विवाद रूप से भाजपा की बढ़त दिखाई गई थी। सटोरिये भी भाजपा की जीत की भविष्यवाणी कररहे है। सत्ता विरोधी लहर का दबदबा भी स्पष्ट रूप से देखा गया । इस बार का चुनाव प्रचार राजनीतिक पार्टियों के भारी धूम धड़ाके और गाजे बाजे के साथ संपन्न हुआ। राजस्थान में सत्ता विरोधी लहर के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी सरकार बचाने के लिए दिन रात एक किये। वहीं भाजपा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के भरोसे अपनी सरकार बनाने की उम्मीद पाले हुए है। यह चुनाव सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के लिए करो या मरो की लड़ाई है। गहलोत ने सत्ता की वापसी के लिए प्रदेश के मतदाताओं को सात गारंटी दी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन गारंटियों का जवाब देते हुए सिर्फ एक ही गारंटी दी और वह है राजस्थान के विकास की गारंटी। कांग्रेस के स्टार प्रचारक मलिकार्जुन खड़गे ,राहुल गाँधी और प्रियंका वाड्रा ने सरकार रिपीट होने की गहलोत की घोषणा का पुरजोर समर्थन किया है। गहलोत को अपनी राहत गारंटियों पर पूरा भरोसा है। भाजपा ने सरकार विरोधी लहर के बीच महिला अत्याचार, पेपर लीक, दंगे और भ्रष्टाचार का मुद्दा प्रमुख रूप से उठाया है।

भाजपा के मुख्य स्टार प्रचारक प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी थे। गृह मंत्री अमित शाह, अध्यक्ष जेपी नड्डा , यूपी के सीएम योगी और अन्य नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों ने कमान संभाल रखी थी। भाजपा और कांग्रेस सहित छोटी पार्टियां भी अपने पूरे दम ख़म के साथ चुनावी मैदान में डटी है। चुनावी संघर्ष में मुख्य राजनीतिक दलों ने चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड और भेद का रास्ता अख्तियार किया। दागी, बागी, जातीय, और दल बदलुओं का सभी दलों में भारी बोलबाला है। चुनाव में ऐसे लोगों को उमीदवार बनाया गया है, जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमें चल रहे है। देखा गया है चुनावों में सभी दल लोकलुभावन वादों के जरिए दूसरे दलों से आगे निकलने की फ़िराक में हैं। कांग्रेस पार्टी मुफ्त सुविधाएं देने के वादों में सबसे आगे है। राजस्थान में तीन दशक से एक परपंरा बनी हुई है कि 5 साल कांग्रेस सत्ता में रहती है और 5 साल भाजपा। राजस्थान के पिछले छह चुनावों पर गौर करें तो पाएंगे यहाँ हर बार सरकार बदलती रही है। 1993 में भाजपा, 1998 में कांग्रेस, 2003 में भाजपा , 2008 में कांग्रेस 2013 भाजपा और 2018 में फिर कांग्रेस ने कब्जा कर लिया था। सत्ता परिवर्तन का यह रिवाज कायम रहता है तो इस बार बारी भाजपा की है। गहलोत ने पूरे चुनाव की कमान संभाल कर लोगों को सात गारंटियाँ दी। वहीं प्रधान मंत्री मोदी ने अपनी चुनावी सभाओं में कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, लूट और महिला अत्याचारों के खिलाफ़ हमला बोलते हुए मोदी गारंटी की घोषणा की।

मुद्दा

हिंदी से बढ़ता वैश्विक व्यवसाय

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

वर्तमान में हिंदी को वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद से जोड़ा गया है। और बीच-बीच में हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिंग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज चैनल में न्यूज एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिंग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में 140 उपभोक्ता की उपस्थिति में विशुद्ध हिंदी का प्रयोग करना थोड़ा कठिन हो जाता है।जैसे हम टी.वी. को दूरदर्शन नहीं कहते, इंटरनेट को इंटरनेट ही लिखा जाता है, अंतरजाल नहीं लिखा जाता। यह जितनी अंग्रेजी की शब्दावली हिंदी में जुड़ी हुई है,यह संचार माध्यम टी.वी. व्हाटसएप, फेसबुक, ट्विटर, इंटरनेट सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के बाजार वाद के कारण जुड़े हुए हैं। हिंदुस्तान में लगभग 140 करोड़ उपभोक्ता निवास करते हैं, और उन तक पहुंचने के लिए हिंदी का प्रयोग अंग्रेजी तथा उर्दू की मिलावट के साथ किया जाता है। वैश्विक स्तर पर भी देखा जाए तो हिंदुस्तानी मूल के लोग श्रीलंका, मॉरीशस, फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया,न्यू जीलैंड, साउथ अफ्रीका में फैले हुए हैं। ऐसे में हिंदी का वैश्विक विस्तार अपने आप हिंदी भारतीय अप्रवासी, प्रवासी भारतीय लोगों के माध्यम से होने लगता है।फिर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रॉस, इटली, जापान, चाइना इनके उत्पादक को भारत के उपभोक्ताओं के बीच बेचने के लिए उन्हें हिंदी की आवश्यकता होती है, भारत एक शक्तिशाली उपभोक्ता बाजार है। एक साथ एक ही जगह इतने ग्राहक मिलना किसी अन्य देश में असंभव है। इन परिस्थितियों में विश्व का हर देश अपने बनाए गए उत्पादन का बाजार खोजने भारत की ओर खिंचा चलाआता है। और हिंदी को माध्यम बनाकर वह अपना माल बेचना शुरू करता है। और इसके लिए टी.वी. इंटरनेट, कंप्यूटर,व्हाट्सएप तथा फेसबुक में हिंदी में विज्ञापन देकर उसका प्रचार प्रसार करता है। विज्ञापनों में हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार और प्रसार वैश्विक स्तर पर होने लगा है।

डॉक्टर जयंती प्रसाद नौटियाल ने भाषा शोध अध्ययन 2012 में यह दावा किया है कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। हिंदी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का उपयोग करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने का निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारत में प्रत्येक पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में व्यापक स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली चलेगी ग्राम पंचायत तक मनाया जाता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। वैसे भी अंग्रेजों के आगमन के पूर्व हिंदी देवनागरी लिपि में उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश होता रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद इसने अंग्रेजी शब्दों को भी आत्मसात किया। हिंदी एक विशाल हृदय की विशाल भाषा है। इसमें अन्य भाषा के अपभ्रंश आने से हिंदी कभी मूल रूप से दिग्भ्रमित या विकृत नहीं हो पाई है। यही वजह है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर धीरे-धीरे विस्तारित, प्रचारित एवं प्रसारित होती जा रही है।

वर्तमान में विश्व में लगभग 45 करोड़ से अधिक लोग हिंदी भाषा बोलते हैं, इसकी सरलता विश्व के लोगों को प्रभावित करती जा रही है, भारत के विद्वानों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, कवियों, फिल्मी गीत कारों के प्रयासों से हिंदी ने वैश्विक रूप लिया है। हिंदी को वैश्विक रूप से उपभोक्ताओं से जोड़ने के लिए फिल्म निर्माताओं गीतकार एवं संगीत, गानों का भी बड़ा योगदान रहा है। हिंदुस्तान में बनी फिल्म को विदेशों में रह रहे भारतीय तथा अन्य भाषाई लोग उसके गीतों तथा उसके संवाद के कारण उस फिल्म को देखने जाते हैं, जिससे सीधे-सीधे भारतीय फिल्मकारों को विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है। इस तरह उपभोक्तावाद, बाजारवाद के नजरिए से देखें तो हिंदुस्तानी उपभोक्ताओं का बहुत बड़ा बाजार वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है। जिससे हिंदी भाषा न सिर्फ बाजारवाद की भाषा बनी है, बल्कि साहित्यिक रूप से भी गीत, ग़ज़ल और गानों के रूप में समृद्ध हुई है। वर्तमान में हिंदी न सिर्फ हिंदुस्तान में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होती जा रही है। भारत में हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए 14 सितंबर को हिंदी दिवस मना कर एवं वैश्विक स्तर पर विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाता रहा है। इस संदर्भ में पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने कहा कि हिंदी के प्रचार प्रसार तथा विस्तार को कोई भाषा रोक नहीं सकती है।

हिंदी भारत की एकमात्र ऐसी भाषा है, जिसके माध्यम से भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न भाषा वासी लोग आपस में अपने विचारों का आदान-प्रदान सकते हैं। एनी बेसेंट ने हिंदी भाषा को लेकर काफी सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं मैं जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह हिंदी है। वह व्यक्ति जो हिंदी जानता है पूरे भारत में किसी भी प्रांत की यात्रा कर सकता है और हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। अब तो बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने उत्पादों का प्रचार प्रसार पूर्णता हिंदी में करना शुरू कर दिया। इसी तारतम्य में यदि यह कहा जाए कि हिंदी वैश्विक बाजार वाद या उपभोक्तावाद की सबसे बड़ी एवं सशक्त भाषा बन गई है, तो यह अतिरेक नहीं होगा। अंग्रेजी जरूर अंतर राष्ट्रीय भाषा है, पर हिंदी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बोले जाने वाली द्वितीय भाषा तो जरूर है ही, एवं उपभोक्ताओं के लिए यह प्रथम स्थान रखती है। भारत में हिंदी भाषा सभी प्रांतों सभी राज्यों को एकता के सूत्र में पिरोने वाली एक मातृभाषा स्थापित रूप से है। इसीलिए इसे राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा का वास्तविक सम्मान दिए जाने की आवश्यकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत, ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्वास मुक्त, खुला हिंद महासागर सुनिश्चित करने में मदद कर रहा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि इस जटिल विश्व में भारत और आस्ट्रेलिया जैसे समान विचारधारा वाले साझेदारों के बीच यह विश्वास ही है जो नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के साथ मुक्त, खुला, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की कोशिशों में मदद कर रहा। 'आस्ट्रेलिया-भारत नेतृत्व संवाद' (एआईएलडी) के छठे संस्करण में, अपने 'वर्चुअल' संबोधन में जयशंकर ने कहा कि संबंधों की प्रेरक शक्ति विचारों का समन्वय, और भू-रणनीतिक माहौल, विशेष रूप से साझा हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति रुख है। उन्होंने उल्लेख किया कि वार्ता ने अपनी एक 'विषय' के रूप में 'ब्रिजेज ऑफ भरोसा' शब्दावली का इस्तेमाल किया है।

जयशंकर ने कहा, ''इस जटिल विश्व में, भारत और आस्ट्रेलिया जैसे समान विचारधारा वाले देशों के बीच यह भरोसा ही है जो हमें नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के साथ मुक्त, खुला, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की हमारी कोशिशों में मदद कर रहा है।'' हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों के बीच उनकी यह टिप्पणी आई है।

जयशंकर ने कहा कि मजबूत लोकतंत्रों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्था के रूप में भारत और आस्ट्रेलिया व्यावहारिक, प्रगतिशील और सतत एजेंडा पर सहयोग के जरिये महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह उन्हें वैश्विक कल्याण के लिए काम करने वाला देश बना रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और आस्ट्रेलिया के बीच गहरी मित्रता है और यह वर्ष हमारी दोस्ती के लिए महत्वपूर्ण रहा है। जयशंकर ने कहा, ''हमने कई चीजें पहली बार देखी हैं: नेताओं का पहला वार्षिक शिखर सम्मेलन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री की भारत की दो यात्राएं, जो पहली बार हुईं।

सुपोषित और स्वस्थ बच्चे ही सशक्त भारत का आधार बनेंगे: योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या में तीन से छह वर्ष के बच्चों को मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) की तर्ज पर पका हुआ गर्म भोजन परोसने की शुरुआत करते हुए कहा कि सुपोषित और स्वस्थ बच्चे ही सशक्त भारत का आधार बनेंगे। लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शुक्रवार को अयोध्या पुलिस लाइन स्थित कंपोजिट विद्यालय से 'हॉट कुक्ड मील योजना' की शुरुआत करते हुए योगी ने कहा कि रामलला 500 वर्षों के बाद 22 जनवरी को अपने स्वयं के मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इससे पहले प्रदेश में तीन से छह साल के बच्चों को 'मिड-डे मील' की तर्ज पर बना हुआ गर्म भोजन परोसने के कार्य की शुरुआत अयोध्या से होना अत्यंत ही शुभ कार्य है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने 403 करोड़ की लागत से 35 जिलों में 3401 आंगनबाड़ी केंद्रों का शिलान्यास किया। साथ ही अयोध्या रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल का भी लोकार्पण किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि मिड-डे मील की तर्ज पर बना हुआ गर्म भोजन अलग-अलग व्यंजन सूची (मेन्यू) के आधार पर अलग-अलग दिन परोसने की ये योजना विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय के साथ आगे बढ़ेगी।

योगी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस का उदाहरण देते हुए कहा कि अंतरविभागीय समन्वय के चलते जो बीमारी 40 साल में 50 हजार बच्चों को निगल गई उसे हमने चार साल में नियंत्रित कर लिया। इसलिए ये जरूरी हो जाता है कि अंतरविभागीय समन्वय से योजनाओं पर कार्य हो तो बेहतर परिणाम आ सकते हैं।उन्होंने बताया कि पहली बार प्रदेश में तीन से छह साल के 80 लाख बच्चों को 'पका हुआ गर्म भोजन' प्रदान करने के कार्य की शुरुआत हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'बच्चे भगवान का रूप होते हैं। आप भाग्यशाली हैं, क्योंकि कान्हा को द्वापर युग में यशोदा मैया ने बचपन में पाला था, मगर आप सैकड़ों कान्हाओं की सेवा करने, उनके पोषण और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी संभालने के साथ ही सशक्त भारत की आधारशिला को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही हैं। ये आपका सौभाग्य है कि आपको यह अवसर मिला है।' इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने पुलिस लाइन के 'कंपोजिट विद्यालय' की कक्षाओं में जाकर बच्चों से मुलाकात की और उनसे पढ़ाई व स्कूल ड्रेस आदि के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से स्कूली बच्चों को भोजन भी परोसा।

स्वागत

कोच्चि में शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर केरल भाजपा समर्थकों द्वारा स्वागत किया गया।

पाकिस्तान आतंकियों को जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ कराने का प्रयास कर रहा : सैन्य कमांडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान विदेशी आतंकवादियों को जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ कराने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठनों में पाकिस्तान के सेवानिवृत्त सैनिकों की मौजूदगी है। द्विवेदी ने बुधवार और बृहस्पतिवार को राजौरी जिले के धर्मसाल क्षेत्र के बाजीमाल इलाके में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए दो कैप्टन सहित पांच सैन्यकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के बाद यह टिप्पणी की। मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान में प्रशिक्षित और पाकिस्तान निवासी शीर्ष लश्कर कमांडर क्वारी सहित दो आतंकवादियों को मार गिराया।

लेफ्टिनेंट जनरल ने संवाददाताओं से कहा कि एक साल के भीतर दो दर्जन से अधिक विदेशी आतंकवादियों का क्षेत्र से सफाया करने के लिए राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में अभियान तेज कर दिया गया है।

कमांडर ने कहा कि दो खूंखार विदेशी आतंकवादियों का मारा जाना क्षेत्र को अस्थिर करने की पाकिस्तान की साजिश के लिए एक बड़ा झटका है। आतंकवादियों के बीच पाकिस्तान के कुछ विशेष बलों के जवानों की मौजूदगी के बारे में पूछे जाने पर लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा, ''जब हमने आतंकवादियों की पहचान करने की कोशिश की, तो हमें पता चला कि उनमें से कुछ (पाकिस्तानी सेना के) सेवानिवृत्त जवान हैं।''

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने कहा, ''स्थानीय आबादी, विशेषकर युवाओं से समर्थन की कमी के कारण पाकिस्तान इस क्षेत्र में विदेशी आतंकवादियों को भेजने का प्रयास कर रहा है क्योंकि स्थानीय युवा आतंकवादी संगठनों में भर्ती होने के इच्छुक नहीं हैं। विदेशी आतंकवादियों को मार गिराने के लिए हमारे प्रयास जारी हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान लोकसभा चुनावों सहित आगामी चुनावों को बाधित करने के लिए आने वाले महीनों में और अधिक आतंकवादियों को भेजने का इरादा रखता है, उन्होंने अधिक विवरण दिए बिना ''हां'' में जवाब दिया।

राजौरी जिले में मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए पांच जवानों को केंद्र शासित प्रदेश के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, सेना के अधिकारियों और पुलिस ने शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। पांचों जवानों के पार्थिव शरीर राजौरी से जम्मू के आर्मी जनरल अस्पताल लाये गये, जहां पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। उपराज्यपाल सिन्हा ने पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद 'एक्स' पर कहा, ''मैं राजौरी में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान मातृभूमि की रक्षा करते शहीद हुए हमारी सेना के वीर और पैराट्रूपर सचिन लौर को नमन करता हूं।

अनुपम खेर को 'पड़ोसन' की याद आई

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने वरुण धवन, अर्जुन कपूर और रणवीर सिंह के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। फोटो को देखकर अभिनेता ने कहा कि किसी कारण से, यह उन्हें 1968 की फिल्म 'पड़ोसन' की याद दिलाती है। अपने इंस्टाग्राम पर 'द कश्मीर फाइल्स' के अभिनेता ने तस्वीर साझा की, जिसमें वह बीच में मुस्कुरा रहे हैं और अपना सिर बाहर निकाला हुआ है, जबकि अन्य तीन उत्साह के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, मुझे नहीं पता कि कुछ साल पहले ली गई रणवीर, वरुण और अर्जुन की यह तस्वीर मुझे फिल्म 'पड़ोसन' की याद क्यों दिलाती है। अर्जुन 1986 के बॉलीवुड क्लासिक 'कर्मा' के खलनायक डॉ. माइकल डैंग के रूप में 'घोस्ट' अभिनेता के लुक के पोस्टर की ओर इशारा कर रहे थे, जिसने अनुपम को आश्चर्यचकित कर दिया।

उन्होंने आगे कहा, फिल्म कर्मा से डॉ. डांग के पोस्टर की ओर इशारा करते हुए अर्जुन को देखना न भूलें।'' फिल्मों के अलावा अभिनेता '21 हनुमान मंदिर' नामक अपनी ऐतिहासिक-पौराणिक-वृत्तचित्र श्रृंखला भी कर रहे हैं, जो 21 सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों की खोज करती है। अनुपम पिछली बार कन्नड़ फिल्म 'घोस्ट' और विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' में नजर आए थे। वह 2024 में तेलुगु फिल्म 'द इंडिया हाउस' और हिंदी फिल्म 'कागज 2', 'विजय 69' और 'द सिग्नेचर' में नजर आएंगे।

विक्की, मेघना, सान्या ने 'सैम बहादुर' की रिलीज से पहले स्वर्ण मंदिर में लिया आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'सैम बहादुर' की रिलीज से पहले अभिनेता विक्की कौशल और सान्या मल्होत्रा ने निर्देशक मेघना गुलजार के साथ पंजाब के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में आशीर्वाद मांगा। विक्की ने इंस्टाग्राम पर अपने को-स्टार और निर्देशक के साथ स्वर्ण मंदिर की कई तस्वीरें शेयर की, जहां उन्होंने भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित अपनी फिल्म के लिए प्रार्थना की थी। अभिनेता को सफेद कुर्ता और पायजामा पहने देखा गया और उन्होंने अपना सिर भगवा दुपट्टे से ढका हुआ था। मंदिर में दर्शन के दौरान मेघना और सान्या एथनिक वियर में नजर आईं। विक्की ने तस्वीर को कैप्शन दिया: ''शुक्र, सब्र, सुकून।''

यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है जब फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ ने बांग्लादेश को आजाद कराने के लिए भारतीय सेना का नेतृत्व किया था। इसमें फातिमा सना शेख, नीरज काबी, एडवर्ड सोनेनब्लिक और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी हैं। यह फिल्म 1 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।

फिल्म 'भ्रष्टाचार' की शूटिंग शूरू

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता रितेश पांडेय की आने वाली फिल्म भ्रष्टाचार की शूटिंग शूरू हो गयी है।

फिल्म भ्रष्टाचार की शूटिंग उत्तर प्रदेश के बनारस में शुरू हो रही है ।यशस्वी फ़िल्म क्रिएशन एवं यशस्वी इंफ्राहाइट्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही फिल्म भ्रष्टाचार के निर्माता संजय गुप्ता हैं।

भ्रष्टाचार का निर्देशन एच एस पवन कर रहे हैं। फ़िल्म भ्रष्टाचार के गीत सन्तोष पूरी एवं आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं जिन्हें संगीत से सन्तोष पूरी एवं अजय वर्मा ने सजाया है। नृत्य निर्देशक लक्की विश्वकर्मा हैं। फिल्म भ्रष्टाचार में रितेश पांडेय ,प्राप्ति शुक्ला, संजय पाण्डेय विनीत विशाल, अयाज़ खान, अजय पाठक एवं शान चतुर्वेदी नज़र आने वाले हैं।

ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित हुई 'भगवंत केसरी'

मुंबई/एजेन्सी

नंदमुरी बालकृष्ण स्टारर और अनिल रविपुडी के डायरेक्शन में 'भगवंत केसरी' 19 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और इसने जमकर कारोबार भी किया। वहीं थिएट्रिकल रिलीज के बाद अब ये फिल्म ओटीटी पर धमाल मचा रही है। 'भगवंत केसरी' ओटीटी के किस प्लेटफॉर्म पर हुई है रिलीज? साल 2023 की सुपर-डुपर हिट फिल्म 'भगवंत केसरी' की ओटीटी रिलीज का लोग काफी समय से इंतजार कर रहे थे। 'भगवंत केसरी' 24 नवंबर यानी आज अमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। ऐसे में जो लोग इस शानदार फिल्म को थिएटर में देखने से चूक गए थे वे अब घर बैठे इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंजॉय कर सकते हैं. हालांकि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अभी इस फिल्म को तेलुगु वर्जन में ही रिलीज किया है।

'भगवंत केसरी' में नंदमुरी बालकृष्णन और श्री लीला ने लीड रोल प्ले किया है। फिल्म ने काजल अग्रवाल, अर्जुन रामपाल, सरथकुमार और आडुकलम नरेन जैसे प्रमुख कलाकार ने भी अहम भूमिका निभाई है। अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित एक्शन-ड्रामा फिल्म भगवंत केसरी एक पूर्व अपराधी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी भतीजी के लिए केयरटेकर की भूमिका निभाता है, और उसे आर्म्ड फोर्स में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित करता है। इस फिल्म को शाइन स्क्रीन्स बैनर के तहत प्रोड्यूस किया गया था और फिल्म के संगीत निर्देशक थमन एस हैं।

भगवंत केसरी ने बॉक्स ऑफिस पर दमदार कारोबार किया था।

इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर टाइगर श्रॉफ की बड़े बजट की फिल्म गणपत और रवि तेजा की टाइगर नागेश्वर राव को भी धूल चटा दी थी। ये फिल्म साल 2023 की तेलुगु में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। इसने भारत में 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था और वर्ल्डवाइड फिल्म ने 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी।

स्मृति चिन्ह भेंट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार रात मथुरा में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'ब्रज राज महोत्सव' में अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

निर्माता राजकुमार कोहली का 95 वर्ष की उम्र में निधन

मुंबई/भाषा

'नागिन', 'जानी दुश्मन' और 'नौकर बीवी का' जैसी फिल्मों के निर्माता राजकुमार कोहली का शुक्रवार सुबह उनके मुंबई स्थित आवास पर निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। उनके पारिवारिक मित्र विजय ग्रोवर ने यह जानकारी दी। कोहली 1970 और 1980 के दशक के लोकप्रिय फिल्म निर्माताओं में से एक थे। उनकी फिल्मों में उस जमाने के मशहूर अभिनेता संजीव कुमार, सुनील दत्त, धर्मेंद्र, जितेंद्र, शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय आदि नजर आते थे। ग्रोवर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, कोहली जी का आज सुबह करीब आठ बजे निधन हो गया। वह सुबह नहाने गए थे और जब वह कुछ देर तक बाहर नहीं आए तो उनके बेटे अरमान ने दरवाजा तोड़ दिया और उन्हें फर्श पर पाया। एक चिकित्सक घर आए और उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि कोहली का अंतिम संस्कार शाम साढ़े पांच बजे सांताक्रूज हिंदू श्मशान में होगा।

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'जोरम' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी की आने वाली फिल्म जोरम का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ज़ी स्टूडियोज़ की फिल्म 'जोरम' में मनोज बाजपेयी, मोहम्मद जीशान अय्यूब, राजश्री देशपांडे, तनिष्ठा चटर्जी और स्मिता तांबे जैसे कलाकार नज़र आएंगे। फिल्म जोरम का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मनोज बाजपेयी ने कहा, मैं फिल्म 'जोरम' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। फिल्म ने वास्तव में सभी पहलुओं में परिपक्व साबित हुई है। मुझ पर विश्वास करने के लिए मैं ज़ी और देवाशीष का आभारी हूं। अब तक हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, हम वास्तव में अभिभूत हैं। जीशान ने कहा, मैं फिल्म जोरम में शहर के एक पुलिसकर्मी रत्नाकर का किरदार निभा रहा हूं। वह अपने सहकर्मियों के बीच भी संपन्न नहीं है और सामाजिक स्तर पर सबसे निचले पायदान पर है । शहर में पले-बढ़े व्यक्ति के रूप में, इस फिल्म पर काम करते हुए मैं पहली बार जंगलों और लौह अयस्क खदानों में गया। इससे मुझे एहसास हुआ कि मैं रत्नाकर से कितना जुड़ सकता हूं और यह आपको इस बात की सराहना करने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन ने आपको क्या दिया है। इसलिए मैंने इस फिल्म से बहुत कुछ सीखा है और मुझे वाकई उम्मीद है कि हर कोई भी इससे कुछ सीखेगा। देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित, लिखित और तैयार की गई फिल्म जोरम को शारिक पटेल, आशिमा अवस्थी चौधरी, अनुपमा बोस और देवाशीष मखीजा द्वारा निर्मित किया गया है ।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के एसजेपी रोड व्यवसायी व फेडरेशन ऑफ गुड्स ट्रक एसोसिएशन सिटी मार्केट के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को एसजेपी रोड पर कन्नड़ राज्योत्सव का आयोजन किया।

धर्म की राह पर चलने वाला ही वीर-महावीर है : मुनिश्री मेरुपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन में मुनि मेरुपद्मसागरजी एवं अर्हमपद्मसागर जी ने कहा कि घर संसार में रहने वाला गृहस्थ संसारी, जब धर्म क्षेत्र में अग्रसर होता है, वो खुद को धर्म नियमावली से रू-ब-रू यानी रहन-सहन, खान पान आदि को धर्म के अनुकूल कर लेता है, क्योंकि कहा है कि धर्म की राह पर चलने वाला ही वीर है। भगवान महावीर इच्छाओं-अनुकूलताओं के प्रति कठोर रहे थे, इसलिए इन बाबतों में उनका अनुयायी भी वीर पराक्रमी होना चाहिए। भगवान का नाम भी वीर था, तो भक्त भी वीर हो।भगवान महावीर की शरण में जाने वाला कायर भी वीर बनकर तर जाता है। जो भगवान महावीर के है, उन्हें धर्म नियमों के साथ रहना चाहिए। धर्म से बढकर कुछ नहीं। धर्म की राह पर चलने वाला ही परमात्मा का प्रिय होता है और धर्म की राह पर चलने में विरोधियों की आलोचना की परवाह नहीं करनी चाहिए। महान वो होता है जो धर्म की राह चलता है और जो चलने को कहते है उनका सहयोग करता है। परमात्मा और आत्मा की ओर देखकर जीवन जीने वाला धर्मी है और महावीर का सच्चा अनुयायी है।

एसजेपी रोड व्यापारी व गुड्स ट्रक एसोसिएशन ने कन्नड़ राज्योत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एसजेपी रोड व्यवसायी व फेडरेशन ऑफ गुडस ट्रक एसोसिएशन सिटी मार्केट के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को एसजेपी रोड पर कन्नड़ राज्योत्सव का आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने माता भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कन्नड़ राज्योत्सव की शुरुआत की। इस मौके पर आयोजकों ने अन्नदान का आयोजन किया जिसकी शुरुआत सांसद तेजस्वी सूर्या ने की तथा लोगों को भोजन वितरण किया। व्यवसायियों ने सांसद को अपने क्षेत्र व उद्योग की समस्याएं बताई। तेजस्वी सूर्या ने उपस्थित जनों को कन्नड़ राज्योत्सव की शुभकामनाएं दी। सूर्या ने व्यापारियों की समस्याओं का शीघ्र ही निवारण करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह शीघ्र ही आवश्यक अधिकारियों से बातचीत कर कार्यों को गति देंगे।

शहीद कैप्टन एम. वी. प्रांजल का पार्थिव शरीर बेंगलूरु पहुंचा

बेंगलूरु। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए कैप्टन एम. वी. प्रांजल का पार्थिव शरीर शुक्रवार को बेंगलूरु लाया जायेगा। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। कैप्टन प्रांजल (29) बुधवार को राजौरी सेक्टर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान शहीद हो गए थे। मैसूर के रहने वाले सेना के अधिकारी '63 राष्ट्रीय राइफल्स' से थे। सूत्रों ने बताया, कैप्टन प्रांजल का पार्थिव शरीर रात लगभग आठ बजे एचएएल हवाई अड्डे पहुंचेगा इसके बाद पार्थिव शरीर को बन्नेरघट्टा स्थित उनके आवास पर ले जाया जाएगा। पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा आदि पहुंचे। मेंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक एम वेंकटेश के बेटे, प्रांजल ने अपनी स्कूली शिक्षा दक्षिण कन्नड़ जिले के सुरतकल में की।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए उत्तरप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल ने तमिलनाडु में शूलगिरी इंडस्ट्रियल एरिया में इंपोर्टेड मार्बल प्रतिष्ठान 'एसडीपी स्टोन्स' का अवलोकन कर मार्बल के बारे में जानकारी ली। एसडीपी स्टोन्स के निदेशक मनोज बंसल व अनिल बंसल ने मंत्री अग्रवाल का सम्मान किया तथा उद्योग की जानकारी दी। इस मौके पर मार्बल व ग्रेनाइट उद्योग से जुड़े अनेक व्यवसायी उपस्थित थे। व्यवसायियों ने कैबिनेट मंत्री से प्राकृतिक पत्थर उद्योग की प्रगति व समस्या के बारे में चर्चा की। इस मौके पर देवेन्द्रकुमार सोनी, संजय बाकलीवाल आदि ने मंत्री का सम्मान किया।

राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक रक्षणा वेदिके स्वाभिमानी सेना द्वारा गांधीनगर में कर्नाटक राज्योत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वेदिके के अध्यक्ष लिंगराजू ,सुरेश, रवि एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत का सम्मान किया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी शुक्रवार को तेलंगाना के पालकुर्थी में एक चुनावी रैली में।

तेलंगाना की बीआरएस सरकार का अंत होने वाला है : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के शासन का अंत होने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के युवाओं, महिलाओं और किसानों के साथ घोर अन्याय हो रहा है। यहां से लगभग 120 किलोमीटर दूर पालकुर्थी में एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तेलंगाना में महिलाओं को हिंसक अपराधों का सामना करना पड़ता है और राज्य सरकार ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास तेलंगाना के लिए एक योजना है और राज्य के युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए उन्हें मजबूत बनाने का एक दृष्टिकोण है। उन्होंने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा, ''युवाओं, महिलाओं और किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। पिछले 10 वर्ष से शासन कर रही केसीआर (मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव) सरकार के शासन का अंत करीब है।'' उन्होंने मुख्यमंत्री राव की सरकार पर युवाओं को रोजगार मुहैया कराने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि बेरोजगारी के मामले में तेलंगाना देश में शीर्ष पर है।

उन्होंने कहा, ''उन्हें रोजगार नहीं मिलता। परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हो रहे हैं। भ्रष्टाचार है। तो ऐसे में युवाओं को क्या उम्मीद होगी?'' उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो दो लाख नौकरियां दी जाएंगी और किसानों को हर साल 15,000 रुपये का निवेश अनुदान प्रदान किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनती है तो दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ कर देगी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासित राज्यों में यह सुनिश्चित किया जाता है कि किसानों को उनकी उपज के लिए उच्चतम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिले। उन्होंने तेलंगाना के लिए अपनी पार्टी द्वारा घोषित छह गारंटियों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो महिलाओं को 2,500 रुपये की सामाजिक पेंशन के अलावा 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर मिलेगा।

तेलंगाना में बेरोजगारी दर सबसे अधिक : जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर तेलंगाना में है। खम्मम में पत्रकारों से बात करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि तेलंगाना बनाने का एक प्रमुख कारण युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा, ''लेकिन, हम 10 साल बाद (तेलंगाना के गठन के) क्या देखते हैं? देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर तेलंगाना में है। युवा बेरोजगार हैं। पूरे भारत में ये (बेरोजगारी दर) 10 फीसदी है, जबकि तेलंगाना में 15 फीसदी है।'' उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में युवाओं द्वारा आत्महत्या करने के मामले भी अधिक हैं। रमेश ने राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने का आरोप लगाते हुए इसे लेकर बीआरएस सरकार की आलोचना की।

कांग्रेस नेता ने कहा कि तेलंगाना के गठन का एक अन्य प्रमुख कारण यह भी था कि विभिन्न क्षेत्रों में सभी निवेश और सरकारी संस्थान हैदराबाद में स्थित थे जबकि ऐसा सोचा गया था कि तेलंगाना के गठन के साथ खम्मम, करीमनगर जैसे कस्बों और जिलों में निवेश आकर्षित होगा। उन्होंने दावा किया कि स्थिति वही की वही है, जो 10 साल पहले थी। रमेश ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के बेटे और मंत्री के.टी. रामाराव का कहना है कि वह 'ब्रांड हैदराबाद' बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछली यूपीए सरकार का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस ने 'ब्रांड हैदराबाद' के साथ-साथ 'ब्रांड तेलंगाना' बनाने के लिए तेलंगाना का गठन किया था।

कांग्रेस नेता ने कहा, अफसोस की बात है कि 10 साल बाद तेलंगाना के गठन से केवल हैदराबाद को फायदा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह के प्रयासों से तेलंगाना का गठन किया जा सका।

कांग्रेस ने भी मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू नहीं की थी : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता अब जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) की तरह ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण देने की मांग को मानने से इनकार कर दिया था। उन्होंने हाल ही में संसद में पारित महिला आरक्षण विधेयक में एससी, एसटी और ओबीसी को अलग से आरक्षण नहीं दिये जाने के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की भी आलोचना की। तेलंगाना के पेद्दापल्ली में बृहस्पतिवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि अधिकतर पिछड़े वर्गों ने कांग्रेस से एससी-एसटी की तरह ही आरक्षण की मांग की थी जिसने आजादी के बाद लंबे समय तक देश में शासन किया।

ज्यों-ज्यों लाभ होता है त्यों-त्यों लोभ बढ़ता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरीट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने बताया कि प्रभु महावीर ने कहा है, ज्यों-ज्यों लाभ होता है त्यों-त्यों लोभ और अधिक मात्रा में बढ़ता चला जाता है। आज तक जितने भी युद्ध, मन मुटाव-हिंसा, अत्याचार या अनाचार हुए हैं उसके पीछे एक ही कारण लोभ का रहा है। इंसान की इच्छाएं अनंत होती हैं जो कदापि पूर्ण नहीं हो पाती। इंसान खाली हाथ आता है एवं एक दिन खाली हाथ ही प्रस्थान कर जाता है। लोभ तन का, मन का, धन का, कुटुम्ब कबिला, जमीन जायदाद का या पद प्रतिष्ठा का नानाभांति जीवन में प्रगट होता रहता है। मन में हजारों कल्पनाएं उभरती रहती है। प्रभु महावीर ने इस लोभ को जीतने के लिए संतोष का मार्ग बतलाया जैन श्रावकों के लिए परिग्रह परिणाम व्रत की व्याख्या की। वस्तुओं की मर्यादाओं से ही मन पर काबू पाया जा सकता है। राजा महाराजाओं के युद्ध इसी लोभ के चलते हुए हैं। कृपण व्यक्ति के पास लक्ष्मी आ भी जाए फिर भी वह इसका उपयोग नहीं कर पाता। मेघराज भंसाली ने बताया कि रविवार को चौमासी देववंदन आदि कार्यक्रम आयोजित किया गया है। श्रीरामपुरम संघ महिला मंडल ने उपस्थित होकर साध्वीद्वय के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री के तिरुपति दौरे की तैयारियों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी तिरुपति दौरे के मद्देनजर आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव के. एस. जवाहर रेड्डी ने शुक्रवार को तैयारियों का जायजा लिया। प्रधानमंत्री का रविवार यानी 26 नवंबर को तिरुपति पहुंचने और सोमवार यानी 27 नवंबर को हैदराबाद रवाना होने का कार्यक्रम है। रेड्डी ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 नवंबर की शाम को वायु सेना के विमान से तिरुपति हवाई अड्डा पहुंचेंगे और फिर तिरुमला में रात में रुकेंगे।'' मोदी सोमवार सुबह तिरुमला स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर जाएंगे और फिर वह हैदराबाद प्रस्थान करेंगे। मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री का दौरा सफल बनाने के लिए की जा रहीं बहुविभागीय तैयारियों की समीक्षा कीं।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com